हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

हर खबर पर पैनी नजर

वर्षः5 अंकः03 पृष्ठः08 मुल्यः1 रूपये pathpravah.com हरिद्वार, मंगलवार, 06 जनवरी 2026

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने सड़कों के विकास को दी नई रफ्तार, गडकरी ने दी स्वीकृति

पथ प्रवाह, नई दिल्ली/हरिद्वार।

उत्तराखण्ड में सड़क कनेक्टिविटी को नई गति देने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की अध्यक्षता में भारत मंडपम, नई दिल्ली में राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य की महत्वपूर्ण सड़क योजनाओं को मजबूती से रखते हुए उन्हें शीघ्र स्वीकृति देने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि ऋषिकेश बाईपास, अल्मोड़ा-दन्या-पनार-घाट, ज्योलिकोट-खैरना-गैरसैंण-कर्णप्रयाग और अल्मोड़ा-बागेश्वर-काण्डा-उडियारी बैंड जैसे मार्ग उत्तराखण्ड के लिए जीवनरेखा सिद्ध होंगे। इन परियोजनाओं से पर्वतीय क्षेत्रों में आवागमन सुगम होने के साथ-साथ पर्यटन, व्यापार और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। ऋषिकेश बाईपास परियोजना के तहत एनएच-07 पर 12.67 किलोमीटर लंबा चार लेन मार्ग प्रस्तावित है, जिसकी लागत

1161.27 करोड़ रुपये आंकी गई है। परियोजना में हाथी कॉरिडोर के लिए एलिवेटेड रोड, चन्द्रभागा नदी पर सेतु और रेलवे ओवरब्रिज शामिल हैं, जिससे ऋषिकेश क्षेत्र में जाम की समस्या से निजात मिलेगी। अल्मोड़ा-दन्या-पनार-घाट मार्ग को 988 करोड़ रुपये की लागत से दो लेन में चौड़ा करने, एनएच-109 के तहत ज्योलिकोट से कर्णप्रयाग तक 235 किलोमीटर मार्ग चौड़ीकरण तथा एनएच-309ए पर 84 किलोमीटर सड़क निर्माण कार्यों पर भी बैठक में विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि केंद्र सरकार के सहयोग से उत्तराखण्ड में चारधाम महामार्ग, दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे और बाईपास परियोजनाओं के माध्यम से आधुनिक और सुरक्षित सड़क नेटवर्क का निर्माण हो रहा है। पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखते हुए संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने उत्तराखण्ड की योजनाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी परियोजनाएं समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और पर्यावरण-अनुकूल तरीके से पूरी की जाएं। उन्होंने राज्य को हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

बैठक में केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा, हर्ष मल्होत्रा एवं मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

मोदी ने सोमनाथ मंदिर पर हमले के 1000 वर्ष पूरे होने पर साझा किया लेख

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमनाथ मंदिर पर 1026 ईस्वी में हुए पहले हमले के बाद से 1000 वर्ष पूरे होने के ऐतिहासिक अवसर पर सोमवार को एक संपादकीय लेख साझा किया।

इस लेख में प्रधानमंत्री ने इस बात पर बल दिया कि सदियों से बार-बार हुए हमलों के बावजूद, सोमनाथ मंदिर भारत की अटूट भावना के प्रतीक के रूप में आज भी शान से खड़ा है। उन्होंने कहा कि सोमनाथ की कथा केवल एक मंदिर की नहीं, बल्कि भारत माता के उन अनगिनत सपूतों के अदम्य साहस की कहानी है, जिन्होंने देश की संस्कृति और सभ्यता की रक्षा की। मोदी ने सोशल मीडिया पर जारी एक पोस्ट में लिखा कि वर्ष 2026 सोमनाथ मंदिर पर हुए पहले हमले के 1000 वर्ष पूरे होने का प्रतीक है। इसके बाद बार-बार हुए हमलों के बावजूद, सोमनाथ आज भी अडिग है! ऐसा इसलिए है, क्योंकि सोमनाथ मंदिर की कहानी भारत माता के अनगिनत सपूतों के अटूट साहस की कहानी है, जिन्होंने

हमारी संस्कृति और सभ्यता की रक्षा की।

मोदी का यह संपादकीय लेखः सोमनाथ... ये शब्द सुनते ही हमारे मन और हृदय में गर्व और आस्था की भावना भर जाती है। भारत के पश्चिमी तट पर गुजरात में, प्रभास पाटन नामक जगह पर स्थित सोमनाथ, भारत की आत्मा का शाश्वत प्रस्तुतिकरण है। द्वादश ज्योतिर्लिंग स्तोत्रम में भारत के 12 ज्योतिर्लिंगों का उल्लेख है। ज्योतिर्लिंगों का वर्णन इस पंक्ति से शुरू होता है...' सौराष्ट्रे सोमनाथं च...यानि ज्योतिर्लिंगों में सबसे पहले सोमनाथ का उल्लेख आता है। ये इस पवित्र धाम की सभ्यतागत और आध्यात्मिक महत्ता का प्रतीक है। शास्त्रों में ये भी कहा गया हैः 'सोमलिङ्गं नरो दृष्ट्वा सर्वपापैः प्रमुच्यते।' लभते फलं मनोवाञ्छितं मृतः स्वर्गं समाश्रयेत॥' अर्थात्, सोमनाथ शिवलिंग के दर्शन से व्यक्ति अपने सभी पापों से मुक्त हो जाता है। मन में जो भी पुण्य कामनायें होती हैं, वे पूरी होती हैं और मृत्यु के बाद आत्मा स्वर्ग को प्राप्त होती है।

दुर्भाग्यवश, यही सोमनाथ, जो करोड़ों लोगों की श्रद्धा और प्रार्थनाओं का केंद्र था, विदेशी आक्रमणकारियों का निशाना बना, जिनका उद्देश्य विध्वंस था। वर्ष 2026 सोमनाथ मंदिर के लिए बहुत महत्व रखता है, क्योंकि इस महान तीर्थ पर हुए पहले आक्रमण के 1000 वर्ष पूरे हो रहे हैं। जनवरी 1026 में गजनी के महमूद ने इस मंदिर पर बड़ा आक्रमण किया था, इस मंदिर को ध्वस्त कर दिया था। यह आक्रमण आस्था और सभ्यता के एक महान प्रतीक को नष्ट करने के उद्देश्य से किया गया एक हिंसक और बर्बर प्रयास था।

सोमनाथ हमला मानव इतिहास की सबसे बड़ी त्रासदियों में शामिल है। फिर भी, एक हजार वर्ष बाद आज भी यह मंदिर पूरे गौरव के साथ खड़ा है। साल 1026 के बाद समय-समय पर इस मंदिर को उसके पूरे वैभव के साथ पुनः निर्मित करने के प्रयास जारी रहे। मंदिर का वर्तमान स्वरूप 1951 में आकार ले सका। संयोग से 2026 का यही वर्ष सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूरे होने का भी वर्ष है। ग्यारह मई 1951 को इस मंदिर का पुनर्निर्माण सम्पन्न हुआ था। तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की उपस्थिति में हुआ वह समारोह ऐतिहासिक था, जब मंदिर के द्वार दर्शनों के लिए खोले गये थे। 1026 में एक हजार वर्ष पहले सोमनाथ पर हुए पहले आक्रमण, वहां के लोगों के साथ की गई क्रूरता और विध्वंस का वर्णन अनेक ऐतिहासिक स्रोतों में विस्तार से मिलता है। जब इन्हें पढ़ा जाता है तो हृदय कांप उठता है। हर पंक्ति में क्रूरता के निशान मिलते हैं, ये ऐसा दुःख है जिसकी पीड़ा इतने समय बाद भी महसूस होती है। हम कल्पना कर सकते हैं कि इसका उस दौर में भारत पर और लोगों के मनोबल पर कितना गहरा प्रभाव पड़ा होगा।

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने सुनी जनता की फरियाद, 42 शिकायतों का मौके पर कराया निस्तारण

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

जनपद वासियों की समस्याओं को त्वरित निस्तारण के उदेश्य से जिलाधिकारी मयूर दीक्षित की अध्यक्षता में जन सुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जनसुनवाई कार्यक्रम में विभिन्न विभागों से संबंधित 87 समस्याएं की गई दर्ज, जिसमें से मौके पर 42 समस्याओं का निस्तारण किया गया तथा शेष शिकायतों को संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण हेतु किया गया प्रेषित

जनपदवासियों की समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मयूर दीक्षित की अध्यक्षता में जिला कार्यालय सभागार में जन सुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। जनसुनवाई कार्यक्रम में राजस्व, भूमि, विवाद, विद्युत, राशन अतिक्रमण, पेयजल आदि से संबंधित समस्या दर्ज कराई गई। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनसुनवाई में जनता द्वारा जो भी समस्याएं दर्ज कराई जा रही है उन समस्याओं को त्वरित एवं समयबद्धता के साथ निराकरण करना सुनिश्चित करे। इसमें किसी भी प्रकार की कोई लापरवाही एवं शिथिलता नहीं बरती जानी चाहिए, शिथिलता बरती जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध आवश्यक करवाई सुनिश्चित की जाएगी।उन्होंने यह भी निर्देश दिए है कि जिन शिकायतों पर स्थलीय निरीक्षण किया जाना है संबंधित अधिकारी आपसी समन्वय के साथ स्थलीय निरीक्षण कर समस्या का समाधान करना सुनाश्चित करे।

उन्होंने सभी अधिकारियों को सख्त हिदायत दी है कि कोई भी शिकायतकर्ता व्यक्ति अपनी शिकायत को दुबारा जन सुनवाई में लेकर न पहुंचे,यदि कोई व्यक्ति अपनी शिकायत को लेकर दुबारा जन सुनवाई में आता है तथा शिकायत संबंधित अधिकारी द्वारा निस्तारित की जा सकती थी एवं समय पर शिकायत का निस्तारण नहीं किया गया तो ऐसे अधिकारियों की विरुद्ध कड़ी कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

जनसुनवाई में आई प्रमुख शिकायतें

शिकायतकर्ता केशवधाम अन्नेकी हेतमपुर के ग्रामवासियों ने केशवधाम अन्नेकी हेतमपुर में पेयजल की समस्या को लेकर प्रार्थना पत्र दिया गया। ललित राजपूत निवासी कनखल ने बस स्टैंड के निकासी गेट पर चाय का स्टॉल एवं फल की ठेली लगा कर किये गए अवैध कब्जा को हटवाने के संबंध में प्रार्थना पत्र दिया। मोहल्ला तेलियान ज्वालापुर के निवासियों ने सड़क के दोनों तरफ की नालियों पर हुए अतिक्रमण को हटवाने के संबंध में प्रार्थना पत्र दिया। जुल्फिकर अहमद निवासी पिरान कलियर ने अपनी पत्नी शहजाद बेगम के नाम जमीन की पैमाईश कराने की मांग की। मो.शहीद पुत्र मुस्लिम ने जन्म प्रमाण पत्र बनवाने को लेकर प्रार्थना दिया। डॉ हिमांशु द्विवेदी ने बीपीएल और अन्त्योदय से मिलने वाला निःशुल्क एवं सशुल्क चावल को ऊंचे दामों पर बेचने वाले के कार्ड निरस्त करने एवं घरेलू सिलेंडर का कमर्शियल इस्तेमाल रोकने के लिए प्रार्थना पत्र दिया। खेड़ाजर गांव के निवासियों ने मंदिर सार्वजनिक रास्ते में कूड़ा कचरा एवं गायों का गोबर डाल कर किये गए अवैा कब्जे को हटवाने की मांग की। नौशाद ने अन्त्योदय राशन कार्ड बनवाने को लेकर प्रार्थना पत्र दिया।जयपाल सिंह ने ग्राम ढाढेकी ढाणा मज़ाहिदपुर में हो रहे अवैध खनन को रुकवाने को लेकर प्रार्थना पत्र दिया। शिकायतकर्ता मायादेवी निवासी राजपुर ने कृषि भूमि की पैमाईश कराने के संबंध में प्रार्थना पत्र दिया।

सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों की समीक्षा

बैठक में सीएम हेल्पलाइन में दर्ज समस्याओं की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए है कि दर्ज शिकायतों को सभी अधिकरी गंभीरता से लेते हुए समय सीमा के अंतर्गत तत्परता से निस्तारण करना सुनाश्चित करे तथा शिकायतकर्ता से पोर्टल के माध्यम से भी बात करने के निर्देश दिए गए।

उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि एक माह से अधिक लंबित शिकायतों का तत्परता से निस्तारण कराना सुनाश्चित करे।समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने पाया कि विभिन्न विभागों की एक सप्ताह से लंबित शिकायतें है, जिसमें एल 1 पर 541 शिकायतें तथा एल 2 पर 57 शिकायतें निस्तारण हेतु लंबित है,जिन्हें शीघ्र निस्तारण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

बैठक में मौजूद रहे अधिकारी

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ललित नारायण मिश्रा ,अपर जिलाधिकारी पीआर चौहान , मुख्य चिकित्साधिकारी आर के सिंह, जिला विकास अधिकारी वेद प्रकाश, अधीक्षण अभियंता लोनिवि डीके सिंह, मुख्य वित्त अधिकारी अजय कुमार, जिला पंचायतराज अधिकारी अतुल प्रताप सिंह, मुख्य शिक्षा अधिकारी आशुतोष भण्डारी, जिला अर्थ संख्या आधिकारी नलिनी ध्यानी, लोनिवि अधिशासी अभियंता दीपक कुमार, एआरटीओ नेहा झा, डीएसओ श्याम आर्य, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी मीरा रावत, नोडल स्वजल चंद्रकांत मणि त्रिपाठी सहित जिला स्तरीय सम्बन्धित अधिकारी एवं विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादी मौजूद रहे।

एक नजर

नशा तस्कर पर प्रहार, अवैध शराब के साथ एक गिरफ्तार

पथ प्रवाह, हरिद्वार। थाना सिडकुल पुलिस द्वारा अवैध शराब के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत पाल मार्केट से एक व्यक्ति को 48 पैकेट नाजायज देशी शराब (मार्का किन्नू व माल्टा) के साथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार व्यक्ति सिद्धार्थ पुत्र शेर सिंह, निवासी पंचायती घर के पास, रावली महदूद, थाना सिडकुल, जनपद हरिद्वार के विरुद्ध मुकदमा अपराध संख्या 04/26, धारा 60 आबकारी अधिनियम के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही अमल में लायी जा रही हैं। थानाध्यक्ष सिडकुल का कहना है कि नशा तस्करों के खिलाफ यह कार्रवाई जारी रहेगी।

एनएचएआई ने हाइवे पर सड़क सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

पथ प्रवाह, हरिद्वार। राष्ट्रीय सुरक्षा माह के तहत एनएचएआई की ओर से सोमवार को हाइवे पर अभियान चलाकर सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। इस दौरान वाहन चालकों को यातायात नियमों से संबंधित पम्पलेट बांटे गए।

इस अभियान का शुभारंभ परियोजना प्रबंधक एवं एनएचआईटी दक्षिणी परियोजनाएं के अधिकारियों द्वारा बहादराबाद टोल प्लाज़ा से किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से सुरक्षित वाहन संचालन, यातायात नियमों के पालन और सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम पर विशेष जोर दिया गया। अधिशासी अभियंता अतुल शर्मा ने बताया कि सड़क सुरक्षा के प्रति अपनी सतत प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए मुज़फ्फरनगर-हरिद्वार रोड प्रोजेक्ट पर सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ट्रक चालकों, स्कूली बच्चों, ग्रामीणों एवं आम नागरिकों को सुरक्षित ड्राइविंग आदतों के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम का संचालन विशेष रूप से तैयार किए गए 'रोड सेफ्टी सुरक्षा रथ' के माध्यम से किया गया। इस सुरक्षा रथ के जरिए सड़क सुरक्षा से संबंधित संदेशों का प्रसार ढाबों (सड़क किनारे भोजनालय), आसपास के गांवों, व्यस्त चौराहों तथा राजमार्ग के प्रमुख स्थलों पर किया गया।

पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष, जमकर हुआ पथराव

पथ प्रवाह, हरिद्वार। पथरी थाना क्षेत्र स्थित गांव बोडाहेड़ी में दो पक्षों में पुरानी रंजिश के चलते हुए विवाद में जमकर पथराव हुआ। पथराव में दोनों पक्षों के छह लोगों के घायल होने की सूचना है। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने लाठियां फटकार कर मामला शांत कराया। इस दौरान पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया है। मारपीट और पथराव के वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। वायरल वीडियो में गांव की सड़क, ईंट पत्थरों से पटी नजर आ रही है।

पुलिस के अनुसार गांव बोडाहेड़ी में दो पक्षों में पुरानी रंजिश चली आ रही थी। इसी रंजिश के चलते रविवार को दोनों पक्षों में किसी बात को लेकर फिर से विवाद हो गया। दोनों पक्ष आमने सामने आ गए। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों के लोगों के बीच मारपीट होने लगी। अचानक से मारपीट खूनी संघर्ष में बदल गई। दोनों ओर से ईंट पत्थर चलने लगे। पत्थरबाजी में भी कई लोगों को चोटें आई। सूचना पर पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुची ने लाठियां फटकारकर दोनों पक्षों को शांत कराया। पुलिस को देख मारपीट करने वाले कई लोग भाग निकले। पुलिस ने मौके से दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपितों के नाम अब्दुल जब्बार उर्फ मानू पुत्र सुलेमान व मुसर्रत पुत्र इब्राहिम निवासीगण ग्राम बोड़ाहेड़ी थाना पथरी हरिद्वार बताए गए हैं। पुलिस अन्य आरोपियों की भी पहचान कर कार्रवाई करने की बात कह रही है।

सिडकुल पुलिस ने हुड़दंग मचाने वाले एक आरोपी को पकड़ा

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

थाना सिडकुल क्षेत्र में एक व्यक्ति द्वारा सार्वजनिक सड़क पर सरेआम हो-हल्ला एवं हुड़दंगबाज़ी की सूचना पर आरोपी को हिरासत में ले ?लिया। आरोपी की हरकतों से आने-जाने वाले राहगीरों एवं स्थानीय नागरिकों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा था। इस व्यक्ति के कृत्य से क्षेत्र में रोष का माहौल उत्पन्न हो गया था तथा कुछ लोगों द्वारा उसका विरोध भी किया गया।

सूचना प्राप्त होते ही थाना सिडकुल पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुँची एवं संबंधित व्यक्ति को समझाने का प्रयास किया गया, किंतु वह पुलिस की समझाइश के बावजूद अपने व्यवहार से बाज नहीं आया। परिस्थितियों को देखते हुए सार्वजनिक शांति भंग होने की आशंका के दृष्टिगत उक्त व्यक्ति को धारा 170 ब्नहस्स् के अंतर्गत हिरासत में लिया गया। आरोपी पप्पू कुमार यादव के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्यवाही अमल में लाई जा रही है।

शांति व्यवस्था भंग करने पर तीन गिरफ्तार

पथ प्रवाह, हरिद्वार। हरिद्वार पुलिस द्वारा अपराधों की रोकथाम एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु निरंतर निरोधात्मक कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में कोतवाली रानीपुर पुलिस द्वारा अलग-अलग स्थानों पर की गई कार्यवाही के दौरान लड़ाई-झगड़ा व शांति भंग करने वाले 3 व्यक्तियों को धारा 170 बी0एन0एस0एस0 के अंतर्गत हिरासत में लिया गया। पुलिस के मुताबिक सांईधाम कॉलोनी रानीपुर से आरोपी आदित्य कश्यप उर्फ गोलू पुत्र श्रवण कुमार, निवासी कश्यप मोहल्ला, साईधाम कॉलोनी, सलेमपुर महदूद, कोतवाली रानीपुर, हरिद्वार, उम्र 19 वर्ष, को एक व्यक्ति आयान के साथ लड़ाई-झगड़ा करने पर हिरासत में लिया गया। शिवलोक कॉलोनी रानीपुर से आरोपी शैलेंद्र कुमार पुत्र स्वर्गीय किशन लाल, निवासी शिवलोक कॉलोनी, थाना रानीपुर, जनपद हरिद्वार, उम्र 48 वर्ष, को नशे की हालत में कॉलोनी में सब्जी की ठेली लगाने वाले व्यक्ति के साथ मारपीट व झगड़ा करने पर हिरासत में लिया गया। सलेमपुर महदूद, रविदास मंदिर के पास, रानीपुर से आरोपी गोपी पुत्र वेदप्रकाश, निवासी सलेमपुर महदूद, रविदास मंदिर के पास, रानीपुर, हरिद्वार, उम्र 25 वर्ष, को नशे की हालत में अपने परिजनों के साथ मारपीट व झगड़ा करने पर हिरासत में लिया गया।

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के सख्त निर्देश, सरकारी संपत्ति से तत्काल हटवाएं अतिक्रमण और कब्जे

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने जिला कार्यालय सभागार में सभी जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान जहां उन्होंने विभागों द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा की वहीं सरकारी भूमि पर हो रहे अतिक्रमण और अवैध कब्जों को तत्काल हटवाने की कार्रवाई करने के भी? निर्देश दिये। इस दौरान जिला योजना, राज्य सेक्टर, केंद्र पोषित योजनाओं के तहत किए जा रहे कार्यों और व्यय की गई धनराशि की भी समीक्षा की।

जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जिला योजना के अंतर्गत जो भी कार्य किए जाने है उन कार्यों को तत्परता से करते हुए स्वीकृत धनराशि को व्यय करना सुनाश्चित करें। उन्होंने यह भी निर्देश दिए है कि विकास खंडों की न्याय पंचायतों में आयोजित हो रहे जन जन की सरकार जन जन के द्वारा बहुउद्देशीय शिविरों की जानकारी का व्यापक प्रचार प्रसार कराए, जिससे कि अधिक से अधिक लोग शिविर में पहुंचकर उसका लाभ ले सके। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों, अधिशासी अधिकारियों नगर पालिका,नगर पंचायतों एवं जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिए है कि उनके क्षेत्र में एवं किसी भी सरकारी संपत्ति पर अतिक्रमण किया गया है तो, उससे हटाने की कार्यवाही तत्परता से की जाए। इसमें किसी भी प्रकार की कोई ढिलाई न बरती जाए। उन्होंने सभी अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए है कि किसी भी व्यक्ति द्वारा सरकारी संपतियों पर बिना अनुमति के पोस्टर,बैनर एवं स्लोगन से चस्पा न किए जाए यदि किसी व्यक्ति द्वारा बिना अनुमति के सरकारी संपतियों को गंदा किया गया है तो उनको नोटिस निर्गत करते हुए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

हरिद्वार को स्वच्छ, सुंदर जनपद बनाने के लिए लाए तेजी

उन्होंने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जनपद को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के लिए सभी अधिकारी सफाई कार्यों में तेजी लाए। कार्यालयों में स्वच्छता बनाएं रखने के लिए कार्यालय एवं आसपास क्षेत्रों की साफ सफाई व्यवस्था ठीक ढंग से कराई जाए। सफाई कार्यों की जानकारी ग्रुप में भी शेयर करे, इसमें किसी भी प्रकार की कोई लापरवाही क्षम्य नहीं की जाएगी। जनपद हरिद्वार को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने में सभी लोग अपना पूर्ण सहयोग दें।

परिवहन विभाग को सतर्क रहने के निर्देश

जिलाधिकारी ने परिवहन विभाग को निर्देश दिए हैं कि वर्तमान समय में घने कोहरे के कारण कोई दुर्घटना गठित न हो, इसपर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए।

वाहनों पर रिफ्लेक्टर स्टीकर चस्पा करने के भी निर्देश दिए गए। ओवरलोडिंग एवं तेज रफ्तार वाहनों पर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

अलाव जलाने के दिए निर्देश

बैठक के दौरान उन्होंने सभी उप जिलाधिकारियों,नगर निगम,जिला पंचायत ,नगर पालिका एवं नगर पंचायतो को गरीब,श्रद्धालुओं एवं निराश्रित लोगों को शीतलहर के प्रकोप से बचाने के लिए सभी से अपने अपने क्षेत्रों में एवं प्रमुख स्थलों पर अलाव जलाने की व्यवस्था निरंतर की जाए, इसमें किसी भी प्रकार की कोई लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

बैठक में उपस्थित रहे अधिकारी

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ललित नारायण मिश्रा, अपर जिलाधिकारी पी आर चौहान, मुख्य चिकित्सा अधिकारी आरके सिंह, जिला विकास अधिकारी वेद प्रकाश, उप जिलाधिकारी जितेंद्र कुमार, मुख्य शिक्षा अधिकारी आशुतोष भंडारी, अधीक्षण अभियंता लोनिवि डी पी सिंह, अधिशासी अभियंता लोनिवि दीपक कुमार, जिला अर्थ संख्या आधिकारी नलिनी ध्यानी, एसडीओ वन विभाग पूनम कैंथोला, अपर परियोजना निदेशक नलिनीत घिल्डियाल, एआरटीओ नेहा झा, जिला आपदा प्रबन्धन अधिकारी मीरा रावत सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

अय्याशी का शौक पूरा करने के लिए बन गए लुटेरे, सेल्समैन से हुई लूट का खुलासा

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

बहादराबाद क्षेत्र में सेल्समेन से हुई लूट का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने घटना में शामिल दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। जिनमें बारे में दावा किया गया है कि दोनों पहले भी लूट की घटनाओं को अंजाम दे चुके हैं। पूछताछ में सामने आया कि अय्याशी के शौक पूरा करने के लिए दोनों ने अपराध की दुनिया में कदम रखा। घटना से पहले कई दिनों तक रेकी की गई, उसके बाद घटना को अंजाम दिया गया।

पुलिस के मुताबिक बीती 30 दिसंबर को जगजीतपुर स्थित देशी शराब के ठेके से पैसे लेकर ऑटो के जरिए रुड़की के लिए निकले सेल्समैन कृष्णा राणा को पतंजली रिसर्च सेंटर के पास रुकवाकर 2 अज्ञात व्यक्तियों ने उसका बैग छीन फरार हो गए। पीड़ित व्यक्ति (सेल्समैन) से गहनता से पूछताछ करने पर यह तथ्य प्रकाश में आया कि अज्ञात आरोपित द्वारा उक्त घटना कारित करते वक्त तमंचे का इस्तेमाल किया गया था जिस कारण पीड़ित घबरा गया था। उक्त आधार पर मुकदमें में धारा 309(4) बीएनएस की बढ़ोत्तरी की गई।

थानाध्यक्ष बहादराबाद के माध्यम से वारदात की सूचना मिलने पर गंभीर रुख अपनाते हुए एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल द्वारा विशेष टीम का गठन करते हुए घटना के जल्द से जल्द खुलासे एवं आरोपियों की धरपकड़ के आदेश जारी करते हुए पर्यवेक्षण की जिम्मेदारी एएसपी ज्वालापुर जितेन्द्र चौधरी के सुपुर्द की। गठित पुलिस टीम ने सीआईयू से टेक्निकल सपोर्ट लेते हुए घटनास्थल के आसपास अपनी सक्रियता बढ़ायी तथा ग्राउंड जीरो पर रहकर जानकारी जुटाई गई। वारदातों में इस्तेमाल मोटर साइकिल व आने-जाने वाले दुर्गम मार्गो पर निरन्तर निगरानी रखी गयी। जिसके परिणामस्वरुण पुलिस को 2 संदिग्ध व्यक्तियों के हुलिये व इनके द्वारा इस्तेमाल की जा रही मोटर साइकिल समेत अन्य जानकारी प्राप्त करने में सफलता प्राप्त हुई।

जुटाए गए सबूतों के आधार पर पुलिस टीम ने नहर पटरी निकट तिरछापुल से मुखबिर की सूचना पर प्रकाश में आए दोनों संदिग्ध व्यक्तियों को एक अवैध तमंचे व घटना में प्रयुक्त मोटर साइकिल के साथ मौके पर दबोचा। पकड़े गए संदिग्ध ने सेल्समैन से हुए लूट की घटना को अंजाम देना स्वीकार किया गया। वारदात में इस्तेमाल की गई मोटर साइकिल को थाना सिड़कुल क्षेत्र से चोरी किया गया था। पुलिस की पकड़ में आए दोनों शातिर काफी समय से जुर्म की दुनिया से जुड़े हुए हैं तथा कई बार जेल की सैर कर चुके हैं। आरोपी श्रवण गिरि के खिलाफ यूपी एवं उत्तराखण्ड में करीब एक दर्जन मुकदमें प्रकाश में आए हैं, जिनमें से कोतवाली डोईवाला में लिखे गए 02 मुकदमों में वह वांछित चल रहा था। पकड़ में आए दूसरे आरोपी प्रणव के खिलाफ जनपद हरिद्वार व देहरादून में 03 मुकदमें दर्ज हैं।

दो और साथी भी आए प्रकाश में

श्रवण व प्रणव से की गई पूछताछ में जुटाए गए सबूतों के आधार पर इस वारदात में 02 अन्य संदिग्ध की भी संलिप्तता प्रकाश में आयी है जिनकी सरगर्मी से तलाश की जा रही है। बरामद मोटर साइकिल की चोरी के संबंध में थाना सिड़कुल में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने लूटी गई नकदी में से 4 लाख 6 हजार रुपये नकद, लूटी गयी रकम से खरीदा गया मोबाइल, 1 तमंचा, कारतूस, मोटर साइकिल बरामद की।

एक नजर

अवैध व्यावसायिक निर्माण पर प्राधिकरण ने कसा शिकंजा, निर्माण किया सील

पथ प्रवाह, हरिद्वार। हरिद्वार-रुड़की विकास प्राधिकरण ने अवैध निर्माण के विरुद्ध सख्त रुख अपनाते हुए इक्कड़ खुर्द सराय रोड क्षेत्र में किए जा रहे एक अवैध व्यावसायिक निर्माण को सील किया। प्राधिकरण की टीम ने यह कार्रवाई इण्डियन ऑयल पेट्रोल पंप के पास, कूड़ा डंपिंग स्थल के समीप स्थित स्थल पर की। आरोप है कि निर्माणकर्ता बिना स्वीकृत मानचित्र के निर्माण कार्य करा रहा था। प्राधिकरण के अनुसार, उक्त निर्माण राहुल चौहान द्वारा लगभग 50म80 फीट क्षेत्रफल में भूतल पर व्यावसायिक उद्देश्य से कराया जा रहा था। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि निर्माण कार्य नियमों और मानकों के विपरीत किया जा रहा है तथा इसके लिए किसी भी प्रकार की स्वीकृति प्राधिकरण से प्राप्त नहीं की गई थी। नियमों के उल्लंघन को गंभीर मानते हुए मौके पर ही निर्माण को सील कर दिया गया। एचआरडीए अधिकारियों ने निर्माणकर्ता को स्पष्ट निर्देश दिए कि बिना मानचित्र स्वीकृत कराए आगे किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य न किया जाए। साथ ही चेतावनी दी गई कि भविष्य में यदि नियमों का उल्लंघन किया गया तो और भी कठोर कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। प्राधिकरण ने आम जनता से भी अपील की है कि वे भवन निर्माण से पूर्व आवश्यक स्वीकृतियां अवश्य प्राप्त करें, ताकि कानूनी कार्रवाई से बचा जा सके।

कड़ाके की ठंड में भी चल रहा स्वच्छता अभियान, सबका एक ही नारा साफ स्वच्छ हो जनपद हमारा

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

धर्मनगरी हरिद्वार को स्वच्छ, स्वच्छ एवं सुंदर बनाए जाने के लिए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में चल रहा सफाई अभियान सफलता की ओर कदम बढ़ा रहा है। जिलाधिकारी स्वयं निरंतर मॉनिटरिंग कर रहे है।

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने जनपद को साफ स्वच्छ बनाने के लिए नव वर्ष के अवसर पर माह सफाई अभियान शुरू किया। जिसमें सभी जनपदवासियों ओर धार्मिक संस्थाओं, व्यापार मंडलों,जनप्रतिनिधियों,गैर स्वयंसेवी संगठनों इस अभियान में पूर्ण सहयोग करने की अपील की गई। इस माह अभियान से जुड़ते हुए अपने घर आंगन एवं आस पास क्षेत्र को साफ सुथरा रखने तथा पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए सभी के सहयोग की अपेक्षा की गई है, जिससे कि जनपद हरिद्वार को साफ ,स्वच्छ एवं सुंदर जनपद बनाया जा सके।

बीएचईएल नगर प्रशासक संजय पवार ने बताया कि बीएचईएल क्षेत्रांतर्गत सेक्टर 4, नजदीक एसओजी कार्यालय एवं पीएनबी बैंक से पीठ बाजार तक भेल टाउनशिप एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट द्वारा साफ सफाई अभियान किया गया। अधिशासी अभियंता एनएचएआई अतुल शर्मा ने अवगत कराया है कि चंडी देवी हाइवे राष्ट्रीय राजमार्ग 74 क्षेत्रांतर्गत साफ सफाई का अभियान चलाया गया। अधिशासी अभियंता राष्ट्रीय राजमार्ग सुरेश तोमर ने अवगत कराया है कि राष्ट्रीय राजमार्ग द्वारा आज पंतद्वीप पार्किंग से लेकर सर्वानंद घाट पुल तक राष्ट्रीय राजमार्ग क्षेत्रांतर्गत सफाई का कार्य कराया गया। अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग हरिद्वार दीपक वर्मा ने अवगत कराया है कि ज्वालापुर कोतवाली क्षेत्रांतर्गत सड़क किनारे अतिक्रमण को हटाया गया साथ ही साफ सफाई कार्य भी कराया गया। अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग लक्सर सोनू त्यागी ने अवगत कराया है कि लक्सर क्षेत्रांतर्गत भोगपुर रायसी में सड़क किनारे सफाई अभियान चलाया गया। खंड विकास अधिकारी खानपुर ने अवगत कराया है कि तुग़लपुर क्षेत्रांतर्गत साफ सफाई का कार्य कराया गया।

खंड विकास अधिकारी नारसन ने अवगत कराया है कि ग्राम पंचायत घोसीपुरा क्षेत्रांतर्गत गुरुकुल नारसन, मोहम्मदपुर में नालियों की सफाई के साथ साथ मार्गो पर साफ अभियान भी चलाया गया। जिला युवा कल्याण अधिकारी ने अवगत कराया है कि महिला मंगल दल द्वारा विकास खंड नारसन क्षेत्रांतर्गत सफाई अभियान चलाया गया। नेचर फाउंडेशन सोसायटी एवं नगर निगम के सहयोग से नई सोता घाट एवं अलकनंदा घाट पर चलाया गया स्वच्छता अभियान।

संपादकीय

आजीविका और भविष्य पर मंडराता संकट

उत्तराखंड जैसे पर्वतीय राज्य में मौसम का संतुलन खेती और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा माना जाता है। लेकिन इस वर्ष दिसंबर माह में अपेक्षित बारिश न होने से प्रदेश के किसानों की चिंताएँ गहराती जा रही हैं। पहाड़ से लेकर तराई तक इसका असर साफ दिखाई देने लगा है। रबी फसलों की बुवाई और बढ़वार प्रभावित हो रही है, जिससे आने वाले महीनों में उत्पादन घटने की आशंका प्रबल हो गई है।

उत्तराखंड के पर्वतीय जिलों में गेहूं, जौ, सरसों और मसूर जैसी फसलें मुख्य रूप से वर्षा पर निर्भर रहती हैं। दिसंबर की बारिश से खेतों में नमी बनी रहती है, जो फसलों की जड़ों को मजबूती देती है। इस बार बारिश न होने से खेत सूखे पड़े हैं। पहाड़ी क्षेत्रों में नहरों और सिंचाई के सीमित साधनों के कारण किसान पूरी तरह प्रकृति पर निर्भर रहते हैं। नतीजतन, कई जगहों पर बुवाई में देरी हुई है और कहीं फसल पीली पड़ने लगी है।

तराई क्षेत्रों–हरिद्वार, ऊधमसिंह नगर और नैनीताल के मैदानी हिस्सों–में भी स्थिति चिंताजनक है। यहाँ गेहूं और सरसों की फसल को समय पर पानी न मिलने से किसानों को ट्यूबवेल और पंपसेट का सहारा लेना पड़ रहा है। इससे डीज़ल और बिजली की लागत बढ़ रही है, जो सीधे किसान की जेब पर भारी पड़ रही है। बढ़ती लागत और घटती उपज के बीच किसान दोहरी मार झेल रहा है।

बारिश न होने का असर केवल फसलों तक सीमित नहीं है। उत्तराखंड में दिसंबर की वर्षा से प्राकृतिक जलस्रोत, गदेरे और नौले रिचार्ज होते हैं। इस वर्ष बारिश न होने से जलस्तर गिरने का खतरा बढ़ गया है। आने वाले गर्म महीनों में सिंचाई के साथ-साथ पेयजल संकट गहराने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता, खासकर पर्वतीय गांवों में जहाँ पहले ही पलायन एक बड़ी समस्या है।

मौसम में इस असामान्यता का संबंध जलवायु परिवर्तन से भी जोड़ा जा रहा है। उत्तराखंड पहले ही अतिवृष्टि, बादल फटने और सूखे जैसे चरम मौसमी घटनाओं की मार झेल रहा है। कभी अत्यधिक बारिश तो कभी लंबा सूखा–दोनों ही खेती के लिए घातक साबित हो रहे हैं। इससे किसान की पारंपरिक खेती प्रणाली कमजोर पड़ रही है।

ऐसे में राज्य सरकार और केंद्र सरकार की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। जरूरी है कि प्रभावित किसानों को त्वरित राहत दी जाए। सिंचाई पर सब्सिडी, बिजली के बिलों में राहत, और फसल बीमा योजना के तहत सरल एवं पारदर्शी मुआवजा व्यवस्था लागू की जाए। साथ ही, वर्षा जल संचयन, सूक्ष्म सिंचाई योजनाओं और जल संरक्षण पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। उत्तराखंड में दिसंबर की बारिश न होना केवल एक मौसमी घटना नहीं, बल्कि यह प्रदेश की कृषि, जल संसाधनों और ग्रामीण भविष्य से जुड़ा गंभीर संकेत है। यदि समय रहते ठोस नीतिगत और जमीनी स्तर पर कदम नहीं उठाए गए, तो इसका असर किसानों की आय, खाद्य सुरक्षा और पहाड़ों की सामाजिक संरचना पर गहरा पड़ेगा। किसानों को सशक्त बनाना ही उत्तराखंड के संतुलित विकास की कुंजी है।

सरहदों की भेंट चढ़ता बचपन: जब जन्म देने वाली धरती ही पराई हो जाए

दिलीप कुमार पाठक

युद्ध अनाथों का विश्व दिवस प्रतिवर्ष 6 जनवरी को मनाया जाता है, जिसका एकमात्र उद्देश्य दुनिया भर के उन निर्दोष बच्चों की व्यथा को वैश्विक मंच पर लाना है, जिन्होंने युद्ध की आग में अपने माता-पिता और अपना घर खो दिया है। जब दो देशों या गुटों के बीच सशस्त्र संघर्ष होता है, तो उसकी सबसे भारी कीमत अक्सर बच्चे ही चुकाते हैं। यह दिवस हमें याद दिलाता है कि युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं लड़ा जाता, बल्कि यह हजारों परिवारों को उजाड़ देता है और बच्चों को एक ऐसे अंधेरे भविष्य की ओर धकेल देता है जहाँ न तो सिर पर साया होता है और न ही मन में सुरक्षा का भाव। युद्ध के कारण अनाथ हुए इन बच्चों को विस्थापन की कड़वी सच्चाई का सामना करना पड़ता है, जहाँ उन्हें अपने ही देश में शरणार्थी बनकर शिविरों में रहना पड़ता है। गरीबी और संसाधनों की कमी उनके जीवन का हिस्सा बन जाती है, जिससे उन्हें पर्याप्त भोजन, साफ पानी और बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएँ भी नहीं मिल पातीं। शिक्षा, जो किसी भी बच्चे के विकास की नींव होती है, युद्ध प्रभावित क्षेत्रों में पूरी तरह ठप हो जाती है, जिससे इन बच्चों का भविष्य और भी असुरक्षित हो जाता है।

युद्ध अनाथों के विश्व दिवस का प्राथमिक उद्देश्य उन मासूम बच्चों के अधिकारों के लिए पुरज़ोर तरीके से आवाज़ उठाना एवं उनके लिए संसाधनो को मुहैय्या कराने की ज़िम्मेदारी को उठाना जिनका जीवन युद्ध की विभीषिका ने पूरी तरह बदल दिया है। यह दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं है, बल्कि सरकारों, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं, गैर-सरकारी संगठनों और आम नागरिकों के लिए एक सामूहिक आह्वान है कि वे आगे आएं और इन बच्चों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए ठोस कदम उठाएं। इस दिन का सबसे बड़ा लक्ष्य दुनिया को यह समझाना है कि युद्ध में अनाथ हुए बच्चे केवल भोजन या कपड़ों के मोहताज नहीं हैं, बल्कि उन्हें कानूनी सुरक्षा, नागरिकता की पहचान और एक गरिमापूर्ण जीवन जीने का पूरा अधिकार है।

इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए 6 जनवरी को दुनिया भर में जागरूकता बढ़ाने वाले विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिनमें सेमिनार, शांति मार्च और डिजिटल अभियान प्रमुख हैं। इन पहलों के जरिए उन चुनौतियों को उजागर किया जाता है जिनका सामना ये बच्चे हर दिन करते हैं, जैसे कि शिक्षा से वंचित रहना, जबरन मजदूरी में धकेला जाना या युद्ध अपराधी समूहों द्वारा उनका शोषण किया जाना। आज जब हम आधुनिकता और मानवाधिकारों की बड़ी-बड़ी बातें करते हैं, तब युद्ध झेल रहे मुल्कों की बदतर होती स्थिति हमारे दावों की पोल खोल देती है। मासूम बच्चे, जिनका राजनीति या सत्ता के संघर्ष से कोई लेना-देना नहीं होता, सबसे ज्यादा प्रताड़ित होते हैं। वे या तो अपने ही देश में बने तंग राहत शिविरों में नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं, या फिर उन्हें शरणार्थी बनाकर उनके देश से निकाल दिया जाता है। यदि हम खुद को मानवीय मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध कहते हैं और फिर भी इन बच्चों की पीड़ा को नजरअंदाज करते हैं, तो मूल्यांकन करने पर हम मानवता के पैमाने पर बहुत पीछे खड़े नजर आएंगे। यह एक यक्ष प्रश्न है कि यदि कोई बच्चा युद्ध की आग के कारण अपना घर, अपना बचपन और अपना मुल्क खो चुका है, तो क्या उसे केवल विदेशी या बोझ मानकर दर-दर भटकने के लिए छोड़ दिया जाना चाहिए? शरणार्थी संकट के दौरान अक्सर देशों की सीमाएं इन मासूमों के लिए बंद कर दी जाती हैं, जो कि नैतिकता की हार है। हमें यह सोचना होगा कि यदि ईश्वर ने उसे इस दुनिया में जन्म दिया है, तो क्या इस विशाल धरती पर उसके लिए दो गज जमीन और सर ढकने के लिए एक छत का भी अधिकार नहीं है? क्या किसी बच्चे का अस्तित्व केवल उसके पासपोर्ट या नागरिकता के दस्तावेजों तक सीमित है?

सच्चाई यह है कि धरती की कोई भी सीमा उस मानवीय अधिकार से बड़ी नहीं हो सकती, जो हर बच्चे को सुरक्षा और गरिमा प्रदान करती है। यदि हम ईश्वर की सत्ता में विश्वास रखते हैं, तो हमें यह स्वीकार करना होगा कि पूरी पृथ्वी ही ईश्वर का घर है और यहाँ जन्म लेने वाला प्रत्येक जीव यहाँ रहने का जन्मसिद्ध अधिकार रखता है। मानवीय मूल्यों का दिखावा करने के बजाय अब समय है कि दुनिया वसुधैव कुटुंबकम पूरी पृथ्वी एक परिवार है के सिद्धांत को धरातल पर उतारे। किसी भी बच्चे को केवल इसलिए नकारा नहीं जाना चाहिए क्योंकि उसका मुल्क युद्ध की भेंट चढ़ गया। उन्हें संरक्षण देना, उन्हें अपनाना और उनके जीवन को पुनः संवारना ही ईश्वर की सच्ची सेवा और मानवता की वास्तविक जीत है।

वेनेजुएला को लेकर ट्रम्प की दादागिरी अमानवीय !

डॉ श्रीगोपाल नारसन

चीन ने अमेरिका से वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को तुरंत रिहा करने की मांग की है। दोनों इस समय अमेरिका की हिरासत में हैं। अमेरिकी सेना उन्हें वेनेजुएला की राजधानी काराकस से पकड़कर अमेरिका ले गई थी। चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि किसी देश के राष्ट्रपति को इस तरह अपने देश ले जाना गलत है। इस मुद्दे का हल बातचीत से होना चाहिए। इससे पहले भी चीन ने अमेरिका की कार्रवाई पर कड़ी प्रतिक्रिया दी थी। वही उत्तर कोरिया ने भी वेनेजुएला में अमेरिका की कार्रवाई को गुंडागर्दी बताया है। उत्तर कोरियाई विदेश मंत्रालय का कहना है कि अमेरिका की यह कार्रवाई किसी भी देश की आजादी और संप्रभुता पर किया गया सबसे गंभीर हमला है। आपको बता दे ,अमेरिकी सैनिकों ने 2 जनवरी की रात वेनेजुएला पर हमला कर राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सीलिया फ्लोरेस को अगवा कर लिया था। इसके बाद उन्हें न्यूयॉर्क लाया गया है, जहां उन्हें डिटेंशन सेंटर में रखा गया और फिर अमानवीय जेल में बंद कर दिया गया। उन पर अमेरिका में हथियार-ड्रग्स से जुड़े मामलों में मुकदमा चलाया जाएगा। वेनेजुएला के रक्षा मंत्री व्लादिमीर पाद्रीनो लोपेज ने अमेरिका की कार्रवाई को लेकर कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प का राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को पकड़ने का फैसला सिर्फ वेनेजुएला के लिए नहीं बल्कि पूरी दुनिया की स्थिरता के लिए खतरा है। उन्होंने कहा कि यह कदम ग्लोबल ऑर्डर के लिए गंभीर चुनौती है। उनका कहना है कि अगर आज ऐसा वेनेजुएला के साथ किया गया है, तो कल किसी भी देश के साथ ऐसा हो सकता है। उन्होंने इसे खतरनाक मिसाल बताया। वेनेजुएला के रक्षा मंत्री ने अमेरिकी विदेश नीति की भी आलोचना की और कहा कि अमेरिका लैटिन अमेरिका और कैरेबियाई क्षेत्र में पुराने उपनिवेशवादी विचार थोपना चाहता है। वेनेजुएला इस सोच को पूरी तरह खारिज करता है। रूस के सुरक्षा परिषद के उपाध्यक्ष दिमित्री मेदवेदेव ने वेनेजुएला में अमेरिका की कार्रवाई पर कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने जो कदम उठाए हैं, वे अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ हैं। अमेरिका, लैटिन अमेरिका को हमेशा से अपने प्रभाव वाला इलाका मानता रहा है। वेनेजुएला के मामले में भी अमेरिका की नजर वहां के तेल पर है। अमेरिका की सोच दूसरे देशों के संसाधनों पर कब्जा करने की रही है। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अमेरिका की सबसे बदनाम जेलों में से एक मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर में रखा गया है। इस जेल की हालत इतनी खराब मानी जाती रही है कि कुछ अमेरिकी जजों ने यहां कैदियों को भेजने से तक इनकार कर दिया था। यह जेल सन 1990 के दशक में बनाई गई थी और यहां करीब 1,300 कैदी बंद हैं। आमतौर पर यह जेल उन लोगों के लिए इस्तेमाल होती है, जिनके खिलाफ न्यूयॉर्क की फेडरल अदालतों में मुकदमा चल रहा होता है। यहां गैंगस्टर और ड्रग तस्करों से लेकर सफेदपोश अपराधों के आरोपी तक रखे जाते हैं।

मादुरो इस जेल में बंद होने वाले पहले विदेशी राष्ट्रपति नहीं हैं। इससे पहले होंडुरास के पूर्व राष्ट्रपति जुआन ऑरलैंडो हर्नांडेज को भी इसी जेल में रखा गया था। उन पर अमेरिका में कोकीन की तस्करी का मामला चला था। बाद में उन्हें 45 साल की सजा सुनाई गई थी, लेकिन दिसंबर में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने उन्हें माफी देकर रिहा कर दिया। इस जेल में मेक्सिको के कुख्यात सिनालोआ ड्रग कार्टेल के को फाउंडर इस्माइल एल मायो जाम्बाडा भी बंद हैं। इसके अलावा एक कारोबारी की हत्या के आरोपी लुइजी मैनजियोने भी यहीं कैद हैं। कैदियों और उनके वकीलों ने लंबे समय से यहां हिंसा, बदसलूकी और अव्यवस्था की शिकायतें की हैं। साल 2024 में दो कैदियों की हत्या दूसरे कैदियों ने यहां कर दी थी। कुछ जेलकर्मियों पर रिश्वत लेने और जेल के अंदर गैरकानूनी सामान पहुंचाने के आरोप भी लगे हैं। सन 2019 की सर्दियों में यहां बिजली चली गई थी, जिससे यह जेल एक हफ्ते तक अंधेरे और ठंड में डूबी रही थी। ट्रंप ने वेनेजुएला के तेल पर कब्जा कर लिया है। ड्रग्स कारोबार की आड़ लेकर राष्ट्रपति मादुरो को बंधक बना लिया। उनकी पत्नी और मादुरो पर अमेरिका में मुकदमा चलेगा।

अपने हित हेतु वेनेजुएला पर अमेरिका का हमला

संजय गोस्वामी

अमेरिकी आर्मी ने वेनेजुएला पर हमला कर राष्ट्रपति निकोलस मादुरो व उनकी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है. इस बारे में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जानकारी दी है. उन्होंने साफ कर दिया है कि फिलहाल यूएस वेनेजुएला का शासन संभालेगा. इससे पहले ट्रंप ने हथकड़ी और आंखों पर पट्टी बांधे मादुरो की एक तस्वीर साझा की, जिसमें वह एक अमेरिकी युद्धपोत पर सवार थे. उधर, लैटिन अमेरिका, यूरोप, रूस और चीन समेत कई देशों ने वेनेजुएला पर अमेरिकी हमलों की निंदा की और तनाव कम करने की अपील की. वहीं, कराकस में अमेरिकी हमले में कम से कम 40 लोगों की मौत की भी खबरें सामने आ रही हैं. यह खेल दरअसल ड्रग्स का नहीं कच्चे तेल के व्यापार का है जहाँ उसे फायदा दिख रहा है क़ोई देश क्या कर रहा है इसपर अमेरिका क्यों दखल देता है ऐ उसके सम्प्रभूता पर गहरा चोट है आप अपने पास क्या रखते क्या खाते है क्या पहनते हैँ क्या कारोबार करते हैँ यह आतंरिक मामला है इसलिए अमेरिका को इसमें दखल नहीं देना चाहिए लेकिन बड़ी मछली छोटी मछली को निगल जाती है इसलिए वहाँ तेल का सबसे बड़ा निर्यात है अरबों डालर का व्यवसाय है जिसने रूस और चीन के साथ करार किया और अमेरिका को नहीं शामिल किया इसलिए डोनाल्ड ट्रम्प ने साफ तेल के व्यापार पर अपने नियंत्रण की बात भी कह दि और शासन भी चलाएगा दरअसल अब सभी देशों को इससे सिख लेनी चाहिए यदि आपके पास ताकत है रक्षा का बजट जितना ज्यादा है रक्षा पर जितना हथियार है सब ले लो और परमाणु हथियार जरूर रखो ना कि निर्दोष लोगों को जैसे 1945 में अमेरिका ने हीरोशिमा और नागासाकी पर गिरा कर लाखों लोग को मौत के घाट उतार दिए बल्कि अपने देश के आत्मरक्षा हेतु जरुरी है क्योंकि एटम बम का अब खेल हो रहा है जहाँ नहीं है वहाँ अमेरिका अटैक करेगा और अमेरिका ने जापान पर एटम बम गिराने के बाद ही अपने को सुपर पावर समझता है अतः देश पहले है आत्मरक्षा हेतु यह जरुरी है कि ऐसा हथियार मेरे पास है जो आग बनकर बरसेगा, और देश के ऊपर यदि गलती से आँख उठा कर देखा तो विनाश भी देख लेना भगवान शंकर हमेशा शांत ही रहते हैं ध्यान में लेकिन यदि उनकी शांति भंग हुई तो तांडव भी कर सब बर्बाद करने की ताकत है यही कारण है कि जब भारत ने अमेरिका के दबाब के बाद भी 1998 में पोखरण परमाणु परीक्षण किये तो दूसरा देश डरा था ऐ हमारे वैज्ञानिकों और अटलजी का देश के प्रति निष्ठा थी जिसमें सफलता मिली और भारत को अमेरिका से सतर्क होने की जरुरत है क्योंकि आए दिनों जिस तरह पाकिस्तान और बांग्लादेश में अमेरिका का सपोर्ट आतंकवादी को सजाने के लिए किया वो भारत के ऊपर एक घेरने की रणनीति बना रहा है अमेरिका में खुद 6000 के करीब परमाणु अस्त्र हैं फिर भी परीक्षण करता रहता है केवल डराने के लिए और भारत के आंतरिक मामलों और व्यापार पर निगाहें गड़ा रहा है नहीं चाहिए ऐ व्यापार और उसके साथ क़ोई भी परमाणु सयन्त्र लगाने की जरुरत क्योंकि बाद में अमेरिका के सीआईए के एजेंट भी कई देशों में हैं और जब वो रातोंरात वेनेजुएला पर हमला कर उसके राष्ट्रपति को बंधक बनाया उससे ऐ साबित होता है कि हम ही सब कुछ कर सकते हैँ जो अपराध की श्रेणी में है ईरान में भी सीआईए के एजेंट थे और उसके घर में घुसकर बंकर ब्लस्टर बम से उसके परमाणु सयन्त्र को नष्ट कर बजापते ऐ कहना कि अमेरिका जो कर सकता है वो क़ोई नहीं ऐ एक पहले ही धमकी को हकीकत में बदलने की शुरुआत हो गई थी और सीरिया में सत्ता परिवर्तन में भी अमेरिका का हाथ था आखिर इतना हथियार कौन देगा और अचानक कुछ ही हफ्तों में रिजिम चेंज कारना इसलिए भारत में तमाम टीवी चैनल को अब भारत की किसी भी सत्ता या देश की समस्या को दिखाना नहीं चाहिए क्योंकि इससे विदेशी ताकत हावी होते हैँ और इसका लाभ परोसी दुश्मन देश को मिलता है और यदि सत्ता परिवर्तन चाहिए तो भारत में लोकतान्त्रिक व्यवस्था है उससे आप कर सकते हैँ लेकिन जिसका ना क़ोई सर है ना पैर कि 19 नवंबर 25 को नया प्रधानमंत्री मिलेगा वोट चोरी और अडानी अम्बानी पर व्यान देना ठीक नहीं है ना ही ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल खड़े करना अब हमें शांति से देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए जमीनी धरातल पर खासकर रक्षा के क्षेत्र में कार्य करने की आवश्यकता है क्योंकि युद्ध करना आज आसान नहीं है इसमें दूसरे देश भी शामिल हो जाते हैँ और हमारे सेना को हमेशा तारीफ करना चाहिए जो देश की रक्षा करते हैँ

जैसा की मालूम है की वेनेजुएला,के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो न्यूयॉर्क के मैनहट्टन में हेलीकॉप्टर से पहुंचे गए. इसके बाद उन्हें भारी सुरक्षा वाले बख्तरबंद मोटरकेड में ड्रग एनफोर्समेंट एडमिनिस्ट्रेशन (ष्ठश्व) के दफ्तर ले जाया गया, क्योंकि मादुरो पर ड्रग तस्करी और नार्को-टेररिज्म के गंभीर आरोप हैं.वेनेजुएला की राजधानी कराकस पर किए गए अमेरिकी हमले के बाद राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को गिरफ्तार कर न्यूयॉर्क लाया गया है. अमेरिका ने इस ऑपरेशन को ऑपरेशन एब्सोल्यूट रिज़ॉल्व नाम दिया है. वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया है कि फिलहाल वेनेजुएला को अमेरिका चलाएगा.वेनेजुएला के पास सेना बहुत है लेकिन न्यूक्लियर हथियार नहीं है इसलिए अमेरिका इसका फायदा उठा रहा है इसमें चीन और रूस अमेरिका से नहीं लड़ेगा क्योंकि उसे मालूम है इससे उसका भी काफी नुकसान होगा और दूसरी तरफ रूस खुद ही यूक्रेन के युद्ध में फंसा है इसलिए वो भी इसमें उलझना नहीं चाहेगा क्योंकि यदि उलझना होता तो ईरान के युद्ध में या सीरीया के तख्तापलट पर ही उलझ जाता लेकिन ऐसा हुआ नहीं वेनेजुएला ने एटम बम क्यों नहीं बनाये क्योंकि उसने डर से सीटीवीटी पर हस्ताक्षर कर दिए थे

वेनेजुएला के न्यूक्लियर एनर्जी प्रोग्राम 1950 के दशक में शुरू हुए थे, लेकिन अभी कोई एक्टिव न्यूक्लियर पावर फैसिलिटी नहीं है। वेनेजुएला की ज़्यादातर न्यूक्लियर साइंस एक्टिविटीज़ वेनेजुएला इंस्टीट्यूट फॉर साइंटिफिक रिसर्च (IVIC) में होती हैं। वेनेजुएला ने 2017 में न्यूयॉर्क में यूनाइटेड नेशंस में TPNW की बातचीत में हिस्सा लिया था और उन 122 देशों में से एक था जिन्होंने इसे अपनाने के पक्ष में वोट दिया था। बातचीत कॉन्फ्रेंस में अपने शुरुआती बयान में, वेनेजुएला ने कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि मिलकर एक मज़बूत और ठोस फाइनल डॉक्यूमेंट हासिल करेंगे जो न्यूक्लियर हथियारों पर रोक लगाएगा, जो उनके पूरी तरह से खत्म करने की दिशा में एक शुरुआती कदम होगा।

एक नजर

भाजपा के प्रदेश प्रभारी दुष्यंत गौतम ने पूर्व विधायक सुरेश राठौर और उर्मिला पर दर्ज कराया मुकदमा

पथ प्रवाह, देहरादून। अंकिता भंडारी प्रकरण को लेकर उत्तराखंड की राजनीति में चल रहे आरोप-प्रत्यारोप के बीच भाजपा प्रदेश प्रभारी दुष्यंत कुमार गौतम ने बड़ा कानूनी कदम उठाया है। उनके खिलाफ कथित रूप से भ्रामक प्रचार और चरित्र हनन के आरोपों को लेकर देहरादून के थाना डालनवाला में पूर्व भाजपा विधायक सुरेश राठौड़ और उनकी कथित पत्नी उर्मिला सनावर के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, यह मामला आईटी एक्ट की धारा 66D, 66E तथा भारतीय न्याय संहिता (BNS) की संबंधित गंभीर धाराओं के तहत दर्ज किया गया है। शिकायत में दुष्यंत गौतम ने आरोप लगाया कि सोशल मीडिया पर वायरल ऑडियो-वीडियो के जरिए उनकी 47 वर्षों की राजनीतिक छवि को नुकसान पहुंचाने की साजिश रची गई। दुष्यंत गौतम ने अपनी तहरीर में कांग्रेस, उत्तराखंड क्रांति दल (KD) और आम आदमी पार्टी पर भी इस कथित साजिश को हवा देने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि 'झूठ के पैर नहीं होते, अब कानून अपना काम करेगा। '

विवाद के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं और साधु-संतों ने हरिद्वार में प्रदर्शन कर आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की थी। फिलहाल पुलिस वायरल ऑडियो की फॉरेंसिक जांच करा रही है। वहीं उर्मिला सनावर के फरार होने की सूचना है, जबकि सुरेश राठौड़ ने ऑडियो को ढ्ढ-जनरेटेड बताकर आरोपों से इनकार किया है।

तेज़ रफ्तार बस ने ली बाइक सवार महिला की जान, नेशनल हाईवे पर दर्दनाक हादसा

पथ प्रवाह, हरिद्वार। हरिद्वार के बहादराबाद थाना क्षेत्र में दिल्ली-हरिद्वार नेशनल हाईवे पर सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। हरिद्वार से रुड़की की ओर जा रही एक बाइक को तेज़ रफ्तार बस ने जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक पर सवार महिला की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि बाइक चला रहा युवक सुरक्षित बच गया। बताया जा रहा है कि मृतका अपने देवर के साथ बाइक पर सवार थी। अचानक पीछे से आई बस ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे महिला सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई और घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही बहादराबाद थाना पुलिस मौके पर पहुंची और महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने बस और उसके चालक को हिरासत में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बस अत्यधिक तेज़ रफ्तार में थी, जिस कारण यह हादसा हुआ। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने आईआरसीटीसी भ्रष्टाचार मामले में लालू यादव की याचिका पर सीबीआई को नोटिस जारी किया

नयी दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कथित आईआरसीटीसी भ्रष्टाचार मामले में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव के खिलाफ आरोप तय करने को चुनौती देने वाली अपील याचिका पर सोमवार को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को नोटिस जारी किया। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने सीबीआई से इस मामले में जवाब मांगा है और मामले की अगली सुनवाई के लिए 14 जनवरी की तारीख तय की है। न्यायालय में श्री यादव की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल पेश हुए, जबकि सीबीआई का प्रतिनिधित्व वरिष्ठ अधिवक्ता और विशेष लोक अभियोजक डी.पी. सिंह ने किया। यह याचिका निचली अदालत के 13 अक्टूबर, 2025 के उस आदेश पर सवाल उठाती है, जिसके जरिए श्री यादव, उनकी पत्नी और बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, उनके बेटे तेजस्वी प्रसाद यादव और 11 अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किए गए थे। निचली अदालत ने धोखाधड़ी, आपराधिक साजिश और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत आरोप तय किए थे। आदेश के अनुसार, भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 120बी और धारा 420 के साथ-साथ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत सभी 14 आरोपियों के खिलाफ साझा आरोप तय करने का निर्देश दिया गया था। आरोप तय करते समय निचली अदालत ने टिप्पणी की थी कि रांची और पुरी में रेलवे होटलों के विकास में 'निजी भागीदारी प्राप्त करने की आड़ में संभवतः साठगांठ (यह क्रोनी कैपिटलिज्म) को बढ़ावा देने का एक उदाहरण था। यादव परिवार के सदस्यों के अलावा, प्रदीप कुमार गोयल, राकेश सक्सेना, भूपेंद्र कुमार अग्रवाल, राकेश कुमार गोगिया और विनोद कुमार अस्थाना के खिलाफ भी आरोप तय किए गए हैं। निचली अदालत ने श्री यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी प्रसाद यादव, मेसर्स लारा प्रोजेक्ट्स एलएलपी, विजय कोचर, विनय कोचर, सरला गुप्ता और प्रेम चंद गुप्ता के खिलाफ आईपीसी की धारा 420 के तहत अलग से आरोप तय करने का भी निर्देश दिया था। अब इस मामले की सुनवाई अगली निर्धारित तिथि पर होगी।

सुप्रीम कोर्ट से जेएसएससी सीजीएल परीक्षा से जुड़ी याचिका खारिज, हाईकोर्ट के फैसले को माना सही

नई दिल्ली/रांची। जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें झारखंड हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय से राज्य सरकार और परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को बड़ी राहत मिली है। यह फैसला सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की खंडपीठ ने सुनाया। कोर्ट ने झारखंड हाईकोर्ट के आदेश को सही ठहराते हुए कहा कि उसमें किसी प्रकार की कानूनी त्रुटि नहीं है। इसके साथ ही अपीलकर्ताओं की याचिका को खारिज कर दिया गया। ज्ञातव्य है कि इससे पहले 3 दिसंबर को झारखंड हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने एसएससी-सीजीएल परीक्षा मामले में फैसला सुनाया था। हाईकोर्ट ने

10 छात्रों के परिणाम पर रोक लगाते हुए, शेष सफल अभ्यर्थियों की नियुक्ति प्रक्रिया जारी रखने का आदेश दिया था। हाईकोर्ट के इस फैसले से असंतुष्ट कुछ छात्रों ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि वे न्याय की अंतिम उम्मीद लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे हैं और उन्हें वहां से निष्पक्ष व न्यायसंगत निर्णय की अपेक्षा है। इसी बीच झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) ने सफल अभ्यर्थियों की मेरिट लिस्ट जारी कर दी और राज्य सरकार ने नियुक्ति पत्र भी सौंप दिए। हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान सफल अभ्यर्थियों की ओर से अधिवक्ता अमृतांश वत्स ने पक्ष रखा था। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद अब एसएससी-सीजीएल नियुक्ति प्रक्रिया पर लगा असमंजस समाप्त हो गया है और नियुक्त अभ्यर्थियों के भविष्य का रास्ता साफ हो गया है।

लोक कलाकारों के संरक्षण से ही जीवित रहेगी हमारी सांस्कृतिक विरासतः अंशुल सिंह

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा

लोक कलाकार हमारी संस्कृति के संवाहक हैं, ऐसे आयोजनों से न केवल उनकी प्रतिभा को मंच मिलता है बल्कि जनपद की लोक संस्कृति को नई पहचान भी मिलती है।' यह बात जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने पं. गोविंद बल्लभ पंत राजकीय संग्रहालय के तत्वावधान में आयोजित लोक कलाकारों के ऑडिशन कार्यक्रम के दौरान कही।

उदय शंकर नाट्य अकादमी में आयोजित इस ऑडिशन कार्यक्रम में एकल लोक गायक एवं विभिन्न सांस्कृतिक दलों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। जिलाधिकारी ने लोक कलाकारों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए उन्हें अपनी कला को निरंतर अभ्यास के माध्यम से और निखारने की सलाह दी।

दो दिवसीय इस ऑडिशन कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए कलाकारों ने लोक गीत, लोक नृत्य एवं पारंपरिक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से उत्तराखंड की समृद्ध लोक विरासत का प्रदर्शन किया। निदेशक राजकीय संग्रहालय डॉ. सी.एस. चौहान ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य लोक कलाकारों को संस्कृति विभाग में सूचीबद्ध कर उन्हें उचित मंच प्रदान करना है, ताकि लोक संस्कृति का संरक्षण और संवर्धन किया जा सके।

जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने कहा कि उदय शंकर नाट्य अकादमी अल्मोड़ा जनपद की एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक संस्था है। इसके बेहतर उपयोग के लिए कार्ययोजना तैयार की जानी चाहिए, जिससे यहां नियमित रूप से सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियों का आयोजन हो सके और आमजन को इसका लाभ मिले।

कार्यक्रम में निर्णायक मंडल, संस्कृति विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में लोक कलाकार उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् के प्रांत अधिवेशन में हरिद्वार के विशाल भारद्वाज को पुनः प्रदेश सह मंत्री की जिम्मेदारी

पथ प्रवाह, देहरादून।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् (एबीवीपी) उत्तराखंड प्रांत का 26वां प्रांत अधिवेशन दून विश्वविद्यालय, देहरादून में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अधिवेशन में प्रदेश भर से आए कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों की सक्रिय सहभागिता रही।

अधिवेशन के दौरान तीन महत्वपूर्ण प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए। पहला प्रस्ताव उत्तराखंड में शिक्षा के वर्तमान परिदृश्य पर केंद्रित रहा, जिसमें शिक्षा की गुणवत्ता, अधोसंरचना, छात्र हितों और नीतिगत सुधारों पर विस्तार से चर्चा की गई। दूसरा प्रस्ताव उत्तराखंड के समग्र वर्तमान परिदृश्य पर आधारित रहा, जिसमें सामाजिक, सांस्कृतिक एवं युवाओं से जुड़े विषयों को प्रमुखता से रखा गया। वहीं तीसरा प्रस्ताव उत्तराखंड में सतत विकास की संकल्पना पर केंद्रित रहा, जिसमें पर्यावरण संरक्षण, स्थानीय संसाधनों के संवर्धन एवं संतुलित विकास पर जोर दिया गया। अधिवेशन में प्रदेश भर में शिक्षा से जुड़े विभिन्न ज्वलंत मुद्दों पर भी गंभीर मंथन हुआ

तथा उनके समाधान हेतु ठोस प्रयास करने का संकल्प लिया गया।

संगठनात्मक दायित्वों की घोषणा करते हुए हरिद्वार को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी प्रदान की गई। एबीवीपी द्वारा विशाल भारद्वाज को पुनः प्रांत सह मंत्री (हरिद्वार) के दायित्व से नवाजा गया। इसके साथ ही राहुल सिंह, रितेश वशिष्ठ, मेघा शर्मा, पायल कुमारी एवं सूर्या प्रताप राणा को संगठन के विभिन्न आयामों में महत्वपूर्ण दायित्व सौंपे गए। अधिवेशन के समापन अवसर पर संगठन ने यह संकल्प व्यक्त किया कि एबीवीपी छात्र हित, राष्ट्र निर्माण एवं उत्तराखंड के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी।

सेवानिवृत्ति सेवा का अंत नहीं, समाज सेवा की नई शुरुआतः कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी

पथ प्रवाह, देहरादून।

सेवानिवृत्त राजकीय पेंशनर्स संगठन के छठे प्रान्तीय त्रैवार्षिक महाधिवेशन में कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि सेवानिवृत्ति केवल नौकरी का अंत नहीं, बल्कि समाज के प्रति नई जिम्मेदारियों की शुरुआत है। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों का अनुभव राज्य और समाज दोनों के लिए अमूल्य धरोहर है।

धर्मपुर स्थित एक निजी होटल में आयोजित महाधिवेशन में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया तथा वरिष्ठ पेंशनरों को सम्मानित किया। उन्होंने संगठन के 60 वर्ष पूर्ण होने पर बधाई देते हुए कहा कि यह संगठन की मजबूती और निरंतर सक्रियता का प्रतीक है। अनुभव और सेवा भावना के बल पर संगठन आज भी समाज को दिशा देने का कार्य कर रहा है।

मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि सेवानिवृत्त राजकीय पेंशनर्स का राज्य निर्माण और प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। यह महाधिवेशन न केवल विचार-विमर्श का

मंच है, बल्कि संगठन की एकता और सामूहिक शक्ति को मजबूत करने का अवसर भी है। महाधिवेशन में संगठन के पदाधिकारियों ने बढ़ती महंगाई को देखते हुए पेंशनरों के हितों की रक्षा, कैशलेस चिकित्सा सुविधा, गोल्डन कार्ड एवं आयुष्मान योजना से जुड़ी समस्याओं के समाधान, सरकारी कार्यालयों में पेंशनरों के कार्यों को प्राथमिकता देने सहित 14 सूत्रीय मांग पत्र मंत्री को सौंपा। कैबिनेट मंत्री ने आश्वासन दिया कि पेंशनरों की सभी मांगों को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी तक पहुंचाया जाएगा और उनके समाधान के लिए राज्य सरकार स्तर पर गंभीर प्रयास किए जाएंगे। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह कृषाली, प्रदेश संरक्षक आर.एस. परिहार, प्रदेश कोषाध्यक्ष एम.एस. गुसाईं, उपाध्यक्ष कुसुमलता शर्मा सहित बड़ी संख्या में संगठन पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

लघु उद्योग अर्थव्यवस्था की रीढ़, रोजगार सृजन में निभा रहे अहम भूमिका : त्रिवेंद्र सिंह रावत

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

पूर्व मुख्यमंत्री एवं हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और रोजगार सृजन में इनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि लघु उद्योग भारती उत्तराखंड का सबसे मजबूत संगठन है, जो उद्यमियों को केवल व्यापार तक सीमित न रखकर राष्ट्रीयता और राष्ट्र निर्माण से जोड़ने का कार्य कर रहा है। वे हरिद्वार के एक निजी होटल में लघु उद्योग भारती द्वारा आयोजित 'उद्यमी समागम कार्यक्रम' को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे।

सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि आज के समय में आत्मनिर्भर भारत का सपना तभी साकार हो सकता है, जब देश का लघु एवं मध्यम उद्योग क्षेत्र मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि अन्य कई संगठन केवल विचार-विमर्श तक सीमित रहते हैं, जबकि लघु उद्योग भारती जमीनी स्तर पर कार्य कर उद्यमियों को आगे बढ़ाने का काम कर रही है। उन्होंने उद्यमियों से नवाचार, तकनीक और गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने का आह्वान किया।

कार्यक्रम का उद्देश्य सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों को एक मंच पर संगठित करना, उद्यमियों को नवीन सरकारी नीतियों, अवसरों और चुनौतियों से अवगत कराना रहा। समागम के दौरान उद्योग, व्यापार, स्टार्टअप, वित्त, आधुनिक तकनीक, डिजिटल प्लेटफॉर्म तथा केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं पर विस्तार से मंथन किया गया।

कार्यक्रम में मौजूद उद्यमियों ने अपने अनुभव साझा किए और नेटवर्किंग को उद्योग विकास के लिए आवश्यक बताया। साथ ही वित्त पोषण, कच्चे माल की उपलब्धता, बाजार विस्तार और नीतिगत समस्याओं पर भी चर्चा की गई। समागम के माध्यम से लघु उद्योगों को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने तथा रोजगार के नए अवसर सृजित करने का संकल्प लिया गया।

कार्यक्रम में रानीपुर विधायक आदेश चौहान, पं?कज मैसोन, अनिल वर्मा, रोहित भाटिया, अमित त्यागी समेत तमाम उद्योगपति शामिल रहे।

एक नजर

उत्तरकाशी पुलिस का तस्करों पर कड़ा प्रहार, 1 किलो से अधिक चरस के साथ आरोपी गिरफ्तार

पथ प्रवाह, उत्तरकाशी। ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन एवं नशा मुक्त अभियान के तहत उत्तरकाशी पुलिस लगातार अवैध नशे के कारोबार पर शिकंजा कस रही है। इसी क्रम में कोतवाली मनेरी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 1 किलो 30 ग्राम अवैध चरस के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ कोतवाली मनेरी में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस अधीक्षक कमलेश उपाध्याय के निर्देश पर जिले भर में नशा तस्करों के विरुद्ध सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस उपाधीक्षक जनक सिंह पंवार के निकट पर्यवेक्षण एवं प्रभारी निरीक्षक मनेरी प्रदीप सिंह तोमर के नेतृत्व में मनेरी पुलिस टीम ने 4 जनवरी 2026 की रात्रि को गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर सालंग गांव की ओर जाने वाले नवनिर्मित पुल के पास चेकिंग के दौरान उपेन्द्र राणा नामक युवक को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान युवक के कब्जे से 1 किलो 30 ग्राम चरस बरामद की गई, जिसकी बाजार कीमत करीब 2.10 लाख रुपये आंकी गई है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह चरस को गांव के ऊपर जंगलों से एकत्र कर मुनाफे के लिए बेचने की फिराक में था। आरोपी के आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है। पुलिस ने बताया कि आरोपी को न्यायालय में पेश किया जाएगा। गिरफ्तार अभियुक्त उपेन्द्र राणा, निवासी ग्राम सालंग, भटवाड़ी, उत्तरकाशी, उम्र लगभग 30 वर्ष है। कार्रवाई में चौकी प्रभारी भटवाड़ी उपनिरीक्षक निखिल देव चौधरी, कांस्टेबल संदीप भट्ट एवं कांस्टेबल काशीष भट्ट शामिल रहे।

पुलिस अधीक्षक ने सफल कार्रवाई पर पुलिस टीम की सराहना करते हुए 5000 रुपये नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि जिले में अवैध नशे के कारोबार को किसी भी सूरत में पनपने नहीं दिया जाएगा। युवा पीढ़ी को नशे से बचाने के लिए पुलिस का अभियान लगातार जारी है। एक माह के भीतर नशा तस्करों के खिलाफ यह चौथी बड़ी कार्रवाई है।

उत्तर प्रदेश में मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चाओं के बीच मोदी से मिले योगी, भेंट की राम मंदिर की प्रतिकृति

नयी दिल्ली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और उन्हें अयोध्या के राम मंदिर की प्रतिकृति भेंट की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने इस मुलाकात की जानकारी दी है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दोनों नेताओं की मुलाकात की तस्वीरें साझा की हैं। एक तस्वीर में श्री योगी प्रधानमंत्री को अयोध्या के राम मंदिर की प्रतिकृति भेंट कर रहे हैं। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में सिर्फ एक साल का समय शेष रह गया है और राज्य में मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चाएं जोरों पर हैं। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने भी इस मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए इसे शिष्टाचार भेंट बताया है। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'आज नई दिल्ली में आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से शिष्टाचार भेंट कर उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया। आपका पाथेय 'नये उत्तर प्रदेश' की विकास यात्रा को और अधिक गति प्रदान करने हेतु सदैव नवीन ऊर्जा का संचार करता है। अपना बहुमूल्य समय प्रदान करने हेतु हार्दिक आभार प्रधानमंत्री जी। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक अन्य पोस्ट में बताया कि लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने भी श्री मोदी से मुलाकात की। श्री गुप्ता ने भी सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर इस मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा कि उन्होंने प्रधानमंत्री के साथ 'शिष्टाचार भेंट' में लद्दाख में जन कल्याण, मुख्य विकास प्राथमिकताओं, अवसंरचना, कनेक्टिविटी, पर्यटन और समावेशी विकास पर चर्चा की।

अंकिता भंडारी प्रकरणः सांसद त्रिवेंद्र रावत बोले जांच होनी चाहिए, कोई भी बचना नहीं चाहिए

पथ प्रवाह, हरिद्वार

पूर्व मुख्यमंत्री व सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि अंकिता के नाम राजनीति नही होनी चाहिए। यह राजनैतिक विषय नही है। एक बच्ची उससे गलत डिमांड की गई। उसने इंकार किया और उसकी हत्या कर दी गई। सभ्य समाज के लिए यह घटना शर्मसार करने वाली है।

उत्तराखंड राज्य जिसकी विशेष पहचान है।

एक सज्जनता की पहचान है। चरित्रवान लोगों की पहचान है। इसको देवभूमि कहा जाता है। इस तरह की घटना होना और भी दुर्भाग्यपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि सच बात तो यह है कि आज भी जब हम सोचते है, कोई पूछता है तो हृदय को चीरने जैसी घटना लगती है। इसमें जो भी अपराधी है, उनको कड़ी से कड़ी सजा होनी ही चाहिए। और कोई बचना नही चाहिए। कोई भी हो बचना नही चाहिए।

स्वरोजगार की नई पहलः दोना-पत्तल एवं पेपर कप निर्माण इकाई का शुभारंभ

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित की पहल पर एवं मुख्य विकास अधिकारी डॉ. ललित नारायण मिश्र के निर्देशन में आदर्श सीएलएफ परिसर में दोना-पत्तल एवं पेपर कप निर्माण मशीन की स्थापना कर उद्घाटन किया गया। इसमें ग्रामीण महिलाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर उपलब्ध होंगे। यह संपूर्ण कार्य सीएलएफ से जुड़ी स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा संचालित किया जाएगा।

इस अवसर पर जिला परियोजना प्रबंधक, ग्रामोत्थान (रीप) परियोजना संजय सक्सेना एवं खंड विकास अधिकारी प्रवीण भट्ट ने फीता काटकर इकाई का शुभारंभ किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि ऐसी उत्पादन आधारित इकाइयाँ महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में अहम भूमिका निभाती हैं। उन्होंने सीएलएफ पदाधिकारियों एवं समूह की महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण उत्पादन, बेहतर पैकेजिंग एवं बाजार से सीधा जुड़ाव सुनिश्चित करने का मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम में अधिकारियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि पर्यावरण के अनुकूल दोना-पत्तल एवं पेपर कप जैसे उत्पादों की मांग निरंतर बढ़ रही है, जिससे यह इकाई भविष्य में एक सशक्त और टिकाऊ व्यवसाय मॉडल के रूप में विकसित हो सकती है। कार्यक्रम में बीडीओ लक्सर एवं डीपीएम रीप द्वारा परियोजना के उद्देश्यों एवं संभावनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। उन्होंने बताया कि इस इकाई के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को नियमित आय के साथ-साथ उद्यमिता, उत्पादन प्रबंधन एवं विपणन का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होगा। उद्घाटन कार्यक्रम में डीपीएम रीप संजय सक्सेना, बीडीओ लक्सर प्रवीण भट्ट, एबीडीओ पवन सैनी, सहायक प्रबंधक आजीविका शिवशंकर बिष्ट, आदर्श सीएलएफ की अध्यक्षा सहित समस्त सीएलएफ पदाधिकारी उपस्थित रहे। साथ ही विकासखंड स्तरीय स्टाफ चंद्रशेखर, सोहेल, अभिषेक, अंकित, मनीषा एवं सानिया ने भी कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता की।

2027 में सरकार व 2047 में विकसित भारत के संकल्प को करें साकारः पंकज चौधरी

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नव निर्वाचित अध्यक्ष पंकज चौधरी ने आज यहां कहा कि 2047 तक देश को विकसित भारत के रूप में लाने का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संकल्प पूरा करने के लिए हमें 2017 से बड़ी जीत 2027 में पार्टी को दिलानी है क्योंकि विकसित भारत का रास्ता उत्तर प्रदेश से होकर ही जायेगा ऐसे में कार्यकर्ताओं की बड़ी जिम्मेदारी है।

भाजपा के क्षेत्रीय कार्यालय पर आयोजित अपने स्वागत व अभिनंदन समारोह तथा गोरखपुर क्षेत्र कार्य समिति की बैठक को संबोधित करते सोमवार को नव निर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष श्री चौधरी ने कहा कहा कि संगठन ही हमारी स्ट्रेंथ है संगठन ही हमारी पहचान है। संगठन को मजबूत करना हमारा

दायित्व है।

उन्होंने कहा ' मैं कार्यकर्ता ओरिएंटेड नेता हूँ और कार्यकर्ता मेरे लिए सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि मैं कार्यकर्ताओं व जनता के साथ समन्वय के कारण ही चुनाव जीतता हूँ। आज जिस गर्मजोशी के साथ आप सभी कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया है मेरे पास शब्द नही है कि धन्यवाद दे सकूँ। '

उन्होंने कहा कि एक समय था जब भारत की कोई सुनता ही नही था मगर आज भारत बोलता है तो पूरी दुनिया गंभीरता से सुनती है जिसका कारण कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम से देश मे मोदी सरकार चल रही है। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के अंत्योदय को पूरा करने का काम मोदी जी कर रहे है। अनुच्छेद 370 खत्म करने का काम भी प्रधानमंत्री मोदी ने किया।

उन्होंने कोविड काल का जिक्र करते हुए कहा कि कोविड की भयावह विपदा में मोदी जी ने देश को संभाला और बिना भेद भाव प्रधानमंत्री देश का सर्वांगीण विकास कर रहे हैं।

जिलाधिकारी स्वाति एस भदौरिया के सख्त निर्देश, 36 दिन से अधिक लंबित शिकायतों का निस्तारण करें अधिकारी

पथ प्रवाह, पौड़ी।

जनपद मुख्यालय में जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री घोषणाओं की प्रगति तथा मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा हेतु बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री घोषणाओं से संबंधित कार्यों को प्राथमिकता देते हुए उन्हें समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने पर बल दिया।

सोमवार को एनआईसी कक्ष में आयोजित बैठक में जिलाधिकारी ने पूर्व बैठक में दिए गए निर्देशों पर की गई कार्रवाई की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को लंबित मुख्यमंत्री घोषणाओं की नियमित समीक्षा करते हुए कार्यों में अपेक्षित गति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रत्येक कार्य के लिए स्पष्ट समय-सीमा निर्धारित करने तथा प्रगति से शासन को समय-समय पर अवगत कराने पर बल दिया। उन्होंने बताया कि जनपद में कई घोषणाओं पर कार्य पूर्ण किया जा चुका है तथा अधिकांश

योजनाओं की डीपीआर शासन को प्रेषित की जा चुकी है। जिलाधिकारी ने कम समय में पूर्ण की जा सकने वाली योजनाओं के प्रस्ताव आगामी 15 जनवरी तक तथा बड़ी एवं दीर्घकालिक योजनाओं की डीपीआर 31 जनवरी तक अनिवार्य रूप से शासन को प्रेषित करने के निर्देश दिये। वन विभाग से संबंधित प्रकरणों में प्रगति सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागों को वन विभाग के साथ समन्वय एवं संयुक्त निरीक्षण के माध्यम से आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि प्राप्त शिकायतों का समयसीमा के भीतर संतोषजनक, गुणवत्तापूर्ण एवं स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाय। उन्होंने 36 दिन से अधिक समय से लंबित शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निस्तारित करने, सभी अधिकारियों द्वारा नियमित मासिक समीक्षा करने तथा शिकायतों की निरंतर मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिये, जिससे निस्तारण प्रक्रिया और अधिक प्रभावी हो सके। साथ ही उन्होंने एल-1 स्तर पर लंबित शिकायतों के शीघ्र निस्तारण पर विशेष ध्यान देने को भी कहा।

तीन दिन में करें निस्तारित

जिलाधिकारी ने सभी विभागों को लंबित शिकायतों का तीन दिन में निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने नोडल अधिकारी/जिला विकास अधिकारी मनविंदर कौर को तीन दिन पश्चात संबंधित रिपोर्ट अवलोकन हेतु प्रस्तुत करने के निर्देश दिए, जिससे गत दिवसों की प्रगति सुनिश्चित हो सके। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा यह भी निर्देशित किया गया कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन से संबंधित शिकायतों के निस्तारण में फील्ड स्तर पर सत्यापन किया जाय तथा शिकायतकर्ता से फीडबैक प्राप्त कर ही निस्तारण पूर्ण किया जाय, ताकि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आमजन तक प्रभावी रूप से पहुँच सके।

बैठक में ये अधिकारी रहे मौजूद

बैठक में मुख्य कोषाधिकारी नमिता सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. शिव मोहन शुक्ला, अधीक्षण अभियंता जल संस्थान प्रवीण सैनी, अधिशासी अभियंता विद्युत अभिनव रावत, जल निगम नवनीत कटारिया, लोनिवि विवेक सेमवाल, लोनिवि निर्माण खंड रीना नेगी, एसडीओ वन आयशा बिष्ट, जिला पर्यटन विकास अधिकारी खुशाल सिंह नेगी, अर्थ एवं संख्याधिकारी राम सलोने, जिला पूर्ति अधिकारी अरुण कुमार वर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) रणजीत सिंह नेगी, जिला समाज कल्याण अधिकारी रोहित दुबड़िया, जिला युवा कल्याण अधिकारी रविन्द्र फोनिया, अपर जिला पंचायती राज अधिकारी प्रदीप सुंदरियाल, अपर सैनिक कल्याण अधिकारी सत्यपाल सिंह रावत, सहायक अभियंता जिला विकास प्राधिकरण रणवीर सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

एक नजर

हाइवे पर सड़क हादसे में बाइक सवार महिला की मौत

पथ प्रवाह, हरिद्वार। बहादराबाद क्षेत्र में नेशनल हाईवे पर सोमवार को हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक महिला की मौके पर मौत हो गई। इस हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया।

पुलिस के अनुसार, सोमवार शाम रजिया (23) निवासी मंगलौर अपने देवर के साथ बाइक से ज्वालापुर से मंगलौर जा रही थी। उनकी बाइक जब नेशनल हाईवे पर जय मैक्सवेल अस्पताल के पास पहुंची, तभी ज्वालापुर की ओर से तेज रफ्तार आ रही बस की साइड से बाइक टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक के पीछे बैठी रजिया सड़क पर गिर गई और बस के नीचे आ गई। इस हादसे में बुरी तरह घायल रजिया की मौके पर ही मौत हो गई। इस हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। लोगों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी। जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। हादसे के बाद बस चालक मौके से फरार हो गया। थानाध्यक्ष अंकुर शर्मा ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त बस को कब्जे में ले लिया गया है, जबकि बस चालक मौके से फरार हो गया। उसकी तलाश की जा रही है। पीड़ित परिवार से तहरीर मिलने के बाद इस मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उधर, इस घटना के बाद से मृतका के घर पर कोहराम मचा हुआ है।

रूस तेल आयात को लेकर ट्रंप ने भारत को दी शुल्क बढ़ाने की चेतावनी

वाशिंगटन, 05 जनवरी (वार्ता) अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस से तेल का आयात करने के मामले में भारत पर आयात शुल्क बढ़ाने की चेतावनी देते हुए संकेत दिया है कि वाशिंगटन इस मामले में त्वरित कार्रवाई करने के लिए तैयार है और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस मुद्दे पर उनकी नाराजगी से अवगत हैं। अपने हवाई जहाज एयर फोर्स वन पर रविवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए श्री ट्रंप ने कहा, ' श्री मोदी रूस के साथ भारत के ऊर्जा व्यापार पर उनकी नाराजगी को जानते हैं। श्री मोदी एक बहुत अच्छे इंसान हैं और वह जानते थे कि मैं खुश नहीं हूं। मुझे खुश करना महत्वपूर्ण था, क्योंकि वह व्यापार करते हैं और हम उन पर बहुत जल्दी शुल्क बढ़ा सकते हैं। यह चेतावनी ऐसे समय में आयी है, जब भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता चल रही है और अमेरिका ने भारत पर पहले ही 50 प्रतिशत दंडात्मक शुल्क लगा रखा है। यह घटनाक्रम वेनेजुएला में हाल ही में हुए अमेरिकी सैन्य अभियान के बाद सामने आया है, जिसमें राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को अमेरिका ने हिरासत में लिया था। इस घटनाक्रम ने वैश्विक तेल भू-राजनीति पर दुनिया का ध्यान खींचा है। ओपेक के आंकड़ों के अनुसार वेनेजुएला के पास 300 अरब बैरल

से अधिक का दुनिया का सबसे बड़ा प्रमाणित तेल भंडार है, जो वैश्विक भंडार का लगभग 17 से 18 प्रतिशत है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका के आयात शुल्क को दोगुना करके 50 प्रतिशत तक करने के बाद से श्री मोदी और श्री ट्रंप के बीच तीन बार बातचीत हुई है। इस शुल्क वृद्धि से कपड़ा, रसायन और झींगा मछली जैसी चीजों के निर्यात पर असर पड़ा है। दोनों पक्षों के बीच व्यापार वार्ता जुलाई के अंत में तब विफल हो गयी थी, जब भारत ने अपने कृषि बाजार को अमेरिकी उत्पादों के लिए खोलने का विरोध किया था और भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान श्री ट्रंप की मध्यस्थता की भूमिका को स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। बातचीत हालांकि तब से जारी है।

दिसंबर 2025 में अमेरिकी उप व्यापार प्रतिनिधि रिक स्विट्जर ने नयी दिल्ली में भारतीय अधिकारियों के साथ दो दिनों में बैठकें की थीं। इस दौरान भारत ने रूसी तेल खरीद से जुड़े दंडात्मक शुल्कों से राहत देने पर जोर दिया था। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि के कार्यालय ने इन चर्चाओं पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया था। ट्रंप भारत पर अमेरिकी बाजार में चावल की डंपिंग करने का आरोप लगाते हुए भारतीय चावल के आयात पर भी नया शुल्क लगाने का संकेत दे चुके हैं।

फरसाड़ी में लगे बहुउद्देशीय शिविर में 22 शिकायतें हुई दर्ज, 88 लोगों को मिला योजनाओं का लाभ

पथ प्रवाह, पौड़ी।

सोमवार को विकासखंड बीरोंखाल की न्याय पंचायत फरसाड़ी में बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की अध्यक्षता अपर जिलाधिकारी अनिल सिंह गर्ब्याल ने की। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने प्रतिभाग कर अपनी समस्याएं रखीं।

शिविर के दौरान ग्रामीणों द्वारा कुल 22 शिकायतें दर्ज करायी गयीं, जिनमें से अधिकांश शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए अपर जिलाधिकारी द्वारा संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए गए। इसके साथ ही शिविर में 88 लोगों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया गया।

अपर जिलाधिकारी अनिल सिंह गर्ब्याल ने कहा कि जन जन की सरकार-जन जन के द्वार अभियान के माध्यम से शासन की योजनाएं सीधे जनता तक पहुंच रही हैं। उन्होंने कहा कि बहुउद्देशीय शिविरों से ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को एक ही मंच पर विभिन्न विभागों की सेवाओं का लाभ मिल रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्राप्त शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर और समयबद्ध ढंग से सुनिश्चित किया जाए। बहुउद्देशीय शिविर में स्वास्थ्य विभाग, समाज कल्याण विभाग, बाल विकास विभाग, वन, राजस्व, आयुर्वेदिक एवं यूनानी, कृषि, उद्यान सहित कुल 23 विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए। विभागीय अधिकारियों व कर्मचारियों ने ग्रामीणों को सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी और मौके पर ही आवेदन भी भरवाए। इस दौरान अपर जिलाधिकारी ने शिविर में लगाए गए सभी विभागीय स्टॉलों का निरीक्षण किया और अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे योजनाओं की जानकारी पात्र लाभार्थियों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाएं।

इस अवसर पर उपजिलाधिकारी थलीसैंण कृष्णा त्रिपाठी, खंड विकास अधिकारी सुदर्शन बुटोला, पीएमजीएसवाई से सुनीता राणा, विद्युत विभाग से मानस कुमार, पशुपालन से बालम सिंह, सिंचाई से पवन कुमार सहित अन्य विभागों के अधिकारी, कर्मचारी और स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

मागथा न्याय पंचायत में लगे शिविर में 242 ग्रामीणों को दिया योजनाओं का लाभ

पथ प्रवाह, पौड़ी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशन में संचालित जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार अभियान के तहत सोमवार को विकासखंड यमकेश्वर की न्याय पंचायत मागथा में बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने स्टॉल लगाकर ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी और पात्र लोगों को मौके पर ही लाभान्वित किया।

शिविर में स्थानीय लोगों ने कुल 32 शिकायतें दर्ज करायी, जिनमें से अधिकांश का समाधान मौके पर ही कर दिया गया। शिविर की अध्यक्षता उपजिलाधिकारी यमकेश्वर चतर सिंह चौहान ने की, जबकि क्षेत्रीय विधायक रेनू बिष्ट ने मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। विधायक ने कहा कि सरकार की मंशा है कि अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचे। ऐसे शिविर ग्रामीणों के लिए बेहद उपयोगी साबित हो रहे हैं, जहां लोगों को अपने ही क्षेत्र में समस्याओं का समाधान और योजनाओं का लाभ मिल रहा है। उन्होंने अधिकारियों से संवेदनशीलता के साथ जनसमस्याओं के निराकरण के

निर्देश दिए।

शिविर के नोडल अधिकारी एवं मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. विशाल शर्मा ने बताया कि शिविर में कुल 32 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से अधिकांश का मौके पर समाधान कर दिया गया। साथ ही 242 लोगों को विभिन्न विभागीय योजनाओं से लाभान्वित किया गया। शिविर में राजस्व, समाज कल्याण, स्वास्थ्य, पशुपालन, कृषि, उद्यान, बाल विकास विभाग सहित अन्य विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों ने प्रतिभाग कर ग्रामीणों को योजनाओं का लाभ दिया। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख सीता चौहान, जिला पंचायत सदस्य उमरोली बचन सिंह बिष्ट,जिला पंचायत सदस्य गुमालगाँव कविता डबराल, ज्येष्ठ प्रमुख यमकेश्वर स्वाति रावत, प्रधान मागथा प्रीति कुकरेती, तहसीलदार वैभव जोशी, एडीओ पंचायत दिनेश रावत सहित अन्य अधिकारी और स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

योग, आयुर्वेद व नेचुरोपैथी विश्व चिकित्सा पद्धति बनेंगी: स्वामी रामदेव

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

पतंजलि के 32वें स्थापना दिवस पर पतंजलि योगपीठ के संस्थापक अध्यक्ष स्वामी रामदेव व महामंत्री आचार्य बालकृष्ण ने योग, आयुर्वेद, स्वदेशी, सनातन धर्म, सनातन शिक्षा, सनातन चिकित्सा, सनातन अनुसंधान, सनातन कृषि, गौमाता एवं भारत माता की सेवा करते हुए परम वैभवशाली विकसित भारत के निर्माण हेतु समस्त ऋषि-ऋषिकाओं के वंशधरों से आह्वान किया।

इस अवसर पर स्वामी रामदेव ने कहा कि पतंजलि पतंजलि विश्व का सबसे पावन संस्थान व मानवता के लिए शुभ बन गया है। उन्होंने कहा कि पतंजलि की आत्मा सनातन की आत्मा है। उन्होंने पतंजलि के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत विद्यार्थियों से आह्वान किया किया कि योग, आयुर्वेद, स्वदेशी, सनातन धर्म, सनातन शिक्षा, सनातन चिकित्सा, सनातन कृषि व्यवस्था व सनातन जीवन पद्धति को जीवन में गौरव दें और इसके द्वारा अपने भीतर असीम ज्ञान, अनंत-असीम भक्ति, अनंत-असीम प्रचंड सामर्थ्य को जागृत करें। सदा यह स्मरण रखें कि हम ऋषि-ऋषिकाओं के वंशधर हैं। हमारे जीवन से ऋषियों का ऋषित्व, देवों का देवत्व, ब्रह्म का ब्रह्मत्व, राम का रामत्व, भगवान कृष्ण का कृष्णत्व, हनुमान का हनुमत तत्व, शिवत्व वेद तत्व अभिव्यक्त हो। पतंजलि गुरुकुलम् भी आज पूरी दुनिया के आकर्षण का केन्द्र बन गया है। हमारा लक्ष्य है कि पूरी दुनिया के लगभग 200 देशों से कम से कम 15-20 हजार बच्चे पतंजलि गुरुकुलम्, आचार्यकुलम् और पतंजलि विश्वविद्यालय में पढ़ने के लिए आएँ।

उन्होंने कहा कि सनातन जीवन मूल्यों में श्रद्धा रखने वाले पूरी दुनिया के 200-250 करोड़ से ज्यादा लोग तैयार हो रहे हैं और धीरे-धीरे पूरी दुनिया के 80-90% लोग सनातन को फॉलो करेंगे। हम सबको मिलकर भारत को ऐसा परम वैभवशाली देश के बनाना है, और वह बनेगा शौर्य से, वीरता से, पराक्रम से। उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा वैनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी की गिरफ्तारी को गैर-लोकतांत्रिक बताया।

कार्यक्रम में आचार्य बालकृष्ण ने ट्रस्ट की स्थापना से लेकर, विभिन्न चुनौतियों, सघर्षों, झंझावातों से लड़ते हुए सेवा कार्यों के संचालन तक पतंजलि की यात्रा के बारे में विस्तार से बताया। स्वामी रामदेव के अखंड-प्रचंड पुरुषार्थ का जिक्र करते हुए कहा कि इस विशाल सेवा संकल्प के पीछे स्वामी रामदेव की ही दृष्टि थी। उन्होंने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि मैं इस यात्रा का सहभागी रहा।

आचार्य बालकृष्ण ने पतंजलि को लेकर भ्रामक और अनर्गल बोलने वालों को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि पतंजलि को जितना दबाने का प्रयास किया जाएगा, यह अभियान उतनी ही तीव्र गति और ऊर्जा से आगे बढ़ता रहेगा। पतंजलि के शिक्षण संस्थानों के छात्र-छात्राओं ने योग, मलखम्भ, कुश्ती, मार्शल आर्ट्स, बोक्सिंग, जूडो-कराटे आदि की सुन्दर प्रस्तुति दी। इस दौरान संगठन स्तर पर सेवाभावी व्यक्तियों को जिम्मेदारियाँ सौंपी गई।

कार्यक्रम में पतंजलि की विभिन्न ईकाइयों के ईकाई प्रमुख, अधिकारिगण, पतंजलि के विभिन्न संगठनों के योगी योद्धा, संन्यासीगण व साध्वी बहनें, कर्मयोगी, पतंजलि शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थिगण व शिक्षकगण उपस्थित रहे।

स्वामी हंसप्रकाश जी महाराज का तपस्वी जीवन समाज के लिए प्रेरणास्रोत:सांसद त्रिवेंद्र रावत

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

पूर्व मुख्यमंत्री एवं हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि ब्रह्मलीन महामण्डलेश्वर परम पूज्य श्री स्वामी हंसप्रकाश जी महाराज का संपूर्ण जीवन सनातन धर्म, आध्यात्म और समाज सेवा को समर्पित रहा। उनका तप, त्याग और अनुशासन आज भी संत समाज और श्रद्धालुओं के लिए मार्गदर्शक है। वे श्री प्राचीन अवधूत मण्डल आश्रम के पूर्व परमाध्यक्ष थे और उन्होंने आश्रम परंपरा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया।

सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत के यह विचार श्रीजी वाटिका, प्राचीन अवधूत मण्डल आश्रम, हरिद्वार में आयोजित पावन निर्वाण दिवस श्रद्धांजलि समारोह के दौरान व्यक्त किए गए। प्राचीन अवधूत मण्डल आश्रम के वर्तमान पीठाधीश्वर महामण्डलेश्वर स्वामी रूपेंद्र प्रकाश महाराज के संयोजन में श्रद्धा और गरिमा के साथ आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न विभिन्न अखाड़ों से पधारे वरिष्ठ संतों की गरिमामयी उपस्थिति रही। प्रमुख रूप से महामण्डलेश्वर स्वामी हरीचेतनानंद महाराज, महामण्डलेश्वर स्वामी रविंद्र पुरी जी (महानिर्वाणी अखाड़ा), राजेंद्र दास, महामण्डलेश्वर स्वामी गिरधर, स्वामी रामेश्वरानंद, राम मुनि, शारदा माता, जय देवानंद, आनंदचेतन, परमानंद, कपिल मुनि, संतोषानंद सहित अनेक संत-महात्मा उपस्थित रहे। इस अवसर पर संतों ने ब्रह्मलीन स्वामी हंसप्रकाश जी महाराज के तपस्वी जीवन, कठोर साधना, आध्यात्मिक चेतना और समाज सेवा के कार्यों को स्मरण करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किए। वक्ताओं ने कहा कि महाराज श्री ने सनातन मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने के साथ-साथ सामाजिक समरसता और आध्यात्मिक अनुशासन का संदेश दिया।

कार्यक्रम में विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय मंत्री अशोक तिवारी, प्रांत संगठन मंत्री अजय, समाजसेवी जगदीश लाल पाहवा, डॉ. विशाल गर्ग, अमित सैनी, नीरज सैनी, सचिन चहल, हीरालाल केसवानी, राज्य मंत्री श्यामवीर सैनी, सुनील सैनी, संजीव चौधरी, प्रदीप मेहता, रानीपुर विधायक आदेश चौहान, हरिद्वार मेयर किरण जैसल सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की।

सभी संतों एवं अतिथियों ने ब्रह्मलीन स्वामी हंसप्रकाश जी महाराज के श्रीचरणों में भावपूर्ण श्रद्धा सुमन अर्पित किए। कार्यक्रम का सफल एवं गरिमामयी मंच संचालन महंत विश्वास आनंद द्वारा किया गया।

एसपी निशा यादव ने किया पुलिस लाइन रोशनाबाद का अर्द्ध वार्षिक निरीक्षण

पथ प्रवाह, हरिद्वार। पुलिस अधीक्षक पुलिस लाइन हरिद्वार निशा यादव ने सोमवार को पुलिस लाइन रोशनाबाद का अर्द्ध वार्षिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आवासीय बैरकों, कार्यालयों, शस्त्रागार, मेस, स्टोर, अभिलेखों एवं साफ-सफाई की स्थिति का गहन परीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए तथा व्यवस्थाओं को और अधिक सुव्यवस्थित एवं बेहतर बनाए रखने हेतु निर्देशित किया गया। शस्त्रागार का निरीक्षण करते हुए शस्त्रों के रख-रखाव एवं सुरक्षा से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। तत्पश्चात लाइन परिसर में उपस्थित कर्मचारियों का सम्मेलन लिया गया, जिसमें कर्मचारियों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना गया तथा उनके त्वरित निस्तारण हेतु उच्चाधिकारियों को अवगत कराए जाने का आश्वासन दिया गया। निरीक्षण के दौरान प्रवीण आलोक प्रतिसार निरीक्षक, भारत सिंह रावत, प्रवीण कुमार उप निरीक्षक सशस्त्र पुलिस उ0नि0 एमटी रेवाधर भट्ट एवं अपर उपनिरीक्षक विक्रम तोमर,अपर उप निरीक्षक काली शंकर पांडे एवं उपनिरीक्षक चतर सिंह मौजूद रहे।

ममता ने मुख्य चुनाव आयुक्त को लिखे पत्र में एसआईआर पर 'गंभीर चिंताएं' जतायी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य में चल रहे मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को कड़ा पत्र लिखा है।

सुश्री बनर्जी ने एसआईआर को 'एक गंभीर और महत्वपूर्ण चिंता'बताते हुए पत्र में लिखा कि जिस अनुचित जल्दबाजी में बिना पर्याप्त तैयारी या ग्राउंडवर्क के यह काम किया जा रहा है, वह मौलिक रूप से गलत है तथा भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) और उसके राज्य-स्तरीय अधिकारियों की ओर से पूरी तरह से स्पष्टता और योजना की कमी है। उन्होंने अपने पत्र में एसआईआर के तर्क और उसके कार्यान्वयन दोनों पर सवाल उठाया और आरोप लगाया कि इस प्रक्रिया ने मतदाताओं और चुनाव अधिकारियों के बीच व्यापक भ्रम पैदा किया है। उन्होंने 'तार्किक विसंगतियों' के तहत चिह्नित बड़ी संख्या में प्रविष्टियों पर यह तर्क देते हुए चिंता जतायी कि ऐसे वर्गीकरण बिना पर्याप्त पारदर्शिता या मतदाताओं को स्पष्ट संचार के किए गए थे। उन्होंने कहा, 'तथाकथित तार्किक विसंगतियों जैसे वर्तनी की त्रुटियों, उम्र से संबंधित भिन्नताओं आदि को दूर करने के नाम पर ईसीआई ने ऐसे सभी मतदाताओं के दस्तावेजों के सत्यापन का निर्देश दिया है। ऐसे मामलों में जहां ये प्रमाण पत्र अन्य जिलों या

राज्यों के अधिकारियों द्वारा जारी किए गए हैं, सत्यापन संबंधित जारी करने वाले अधिकारियों द्वारा किया जाना आवश्यक है। ऐसा लगता है कि इस दृष्टिकोण का उद्देश्य इस प्रक्रिया में देरी करना है, क्योंकि ऐसे अंतर-जिला या अंतर-राज्य सत्यापन कई मामलों में निर्धारित समय के भीतर पूरा करना संभव नहीं होगा। इससे वास्तविक मतदाताओं के नाम हटाए जाने और उनके मताधिकार से वंचित होने की संभावना है। ईसीआई के निर्देशों की स्पष्टता पर चिंता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, 'चौंकाने वाली बात यह है कि महत्वपूर्ण निर्देश लगभग दैनिक आधार पर अक्सर व्हाट्सएप संदेशों और टेक्स्ट संदेशों जैसे अनौपचारिक माध्यमों से जारी किए जा रहे हैं। ऐसी अनौपचारिकता और मनमानी सटीकता, पारदर्शिता या जवाबदेही के लिए कोई गुंजाइश नहीं छोड़ती है। इस प्रक्रिया में कोई भी त्रुटि, अस्पष्टता या अनिश्चितता गंभीर विसंगतियों को जन्म दे सकती है, जिसमें वास्तविक मतदाताओं के संभावित मताधिकार से वंचित होना शामिल है।

चुनाव आयोग की जवाबदेही पर सवाल उठाते हुए मुख्यमंत्री ने लिखा, 'आईटी सिस्टम के गलत इस्तेमाल से और ईआरओ की जानकारी या मंजूरी के बिना मतदाताओं के नाम हटाने के गंभीर आरोप भी हैं, जो जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत सक्षम वैधानिक अधिकारी हैं। इससे गंभीर सवाल उठते हैं कि ऐसे कामों को किसने मंजूरी दी और किसके सुपरविज़न या निर्देश पर ये किए गए हैं तथा इसके सुपरविज़न या निर्देश के तहत किए गए किसी भी गैर-कानूनी काम के लिए किसे पूरी तरह से जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने इस काम की 'असामान्य जल्दबाजी'पर भी चिंता जताई और कहा कि यह संशोधन 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले एक राजनीतिक रूप से संवेदनशील समय के करीब किया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि मतदाता सूची संशोधन में किसी भी मनमानी से चुनावी प्रक्रिया में जनता का भरोसा कम हो सकता है और आयोग से आग्रह किया कि यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रक्रियात्मक कमियों के कारण किसी भी योग्य मतदाता को वोट देने के अधिकार से वंचित न किया जाए।

स्वामी/प्रकाशक वीरेन्द्र सिंह ने मुद्रक प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः 40 शांतिपुरम कॉलोनी जगजीतपुर, कनखल, हरिद्वार, उत्तराखंड 249408 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। वीरेन्द्र सिंह (सम्पादक) 9411111733, डॉ सुशील शर्मा(उप संपादक) 9837906777 किसी भी वाद विवाद का निपटारा हरिद्वार में होगा। वेबसाईट- www.pathpravah.com